

यथा यज्ञाय वीर्यं आरुति
 वा दक्षिणा वेदाय ॥ आम्भ
 नस्ति न वा ॥ दय आर्थे वा व
 दि क न मि य ऊ मान स्य धिः
 य क र्त्त ॥ ॥ अथ वा नारु क
 ल्यादि ॥ ॐ अथादि ॥ वाक्
 य ॥ ०० ॥ नै ॥ य न भ म्भ न स च
 ह्म न वि ह्म न यू र्त्त ॥ ग य
 स व ना म्भ य यू र्त्त ॥ य य नू वा
 य व ॥ १ ॥ लो कानां धुरु र्द
 ल्य र्थ स्ति नारु व स र्वा स न
 नि र्ग र्ति न सा दा द वी
 पु र्त्त र्द य नि व र्त्त ना ॥ २ ॥
 य र्त्त ना य ऊ माना य स च
 का म र्द ले स र्द ॥ य दं श्या स
 य ना कृ त्वा व र्त्तु र्त्त व द्दि ती
 य र्त्त ॥ ३ ॥ अथ व न श्रु र्त्त मि
 य मि क म्भ र्त्त व र्त्तु र्त्त क
 म्भ श्रु य श्रु म्भ या कं म नु
 र्त्त व य र्त्त म्भ ॥ ४ ॥ स क म्भ
 स क वि श्या स य न श्या स य

रुस॥ यगायतु य॥ यं या
रिषय॥ ध्रुवाकृनिनका॥
ॐ मिगशुद्धदमसाध॥

मम॥ यथादवगायुजा॥
दवयुजा॥ दवसान॥ यं
वामुसान॥ यं वगवा॥ ज
लिसान॥ वदनसिद्धल
दृष्टि॥ यद्वायवीत॥ जइवा
लसान॥ कर्तुयगाययः
अयगायनेययवलिः
मादुनिद॥ यथागुनुड
यद॥ विभननकमार्थ
नकृथा॥ ध्रुयदीयजा
य॥ मा॥ जइगन्धादि॥
ॐ मिदवयुजाविधि॥

अथदिक्तावियदमसासि
क॥ धन॥ वरुविद्य॥

ममात्रामुल्लुवलियुजन॥
सांगया॥ न॥ यद्युयुजा
॥ यद्युगर्थ॥ ॥ सिलोद
तिरुनसा॥ अमिसयद्युनः
यनमान॥ कृत्रदिद्युल
धुमन॥ सत्रा॥ नृग्वडवा
सावा॥ युमि॥ लाहा॥ श्वः
न॥ कृलसा॥ दकोयनाक
य्याक॥ लूयल॥ उदयः
ल॥ यं वत॥ मथ॥ न॥ व
दम॥ ध्रुयगायय॥ अ
यगाय॥ जइववन॥ ॥
ॐ मिद्यद्युगर्थ॥ विविधि॥

अथदद्याच्चलकमसादुः
मि॥ मिदवादिमकनम
आदुमि॥ विय॥ लाय॥ यमि
या॥ गाय॥ रुस॥ लाय॥
ध्रुवान॥ ॐ मिदवलाय॥

स्वयं वक्ष्यामि मन्त्रं ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 वायुः ॥ पूर्वः ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सं॥ वन्दनमिदं नृपदृष्टिः
 ऊजमकाखाने कर्तुं य
 नाय चैयैयनाय अद्वर
 न च नामाधन ॥ पूजनं
 ॥ पूर्वं ॥ नैवायुः ॥ जीः
 यायुः ॥ दक्षिण ॥ यश्चि
 म ॥ धीयायुः ॥ उत्तर ॥
 धुं यायुः ॥ मध्यम ॥
 उच्चो यायुः ॥ नैऋत ॥ जीः
 दूकं जीकं ॥ यायुः ॥
 मूलमउत्तरयुजा ॥ अ
 ननवल्लि ॥ ॥ यश्च
 धानात्वाय जादुमि ॥
 नैऋत ॥ धीः ॥ धुं ॥ धौ ॥ साहा ॥
 धृगं धौ मरु ॥ नैऋत ॥
 अष्टं कृतधामा मनयमि
 युवनं ममनं यामानेकं
 वान्धु कानधामा निधि
 यमि युवनं गन्धगायम
 गंधं जग्मावार्थमिवाः

यामायायायुः ॥ यामा ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

गमाविः ॥ यमि वीरिदाय
 ॥ प्रिदवादि ॥ मूलदवी ॥ व
 मादि जादिन ॥ भवश्म
 कुलमिलीनिदाय ॥ ॥
 छमि मिलितिराम ॥ ॥

गमाय अक्षनावाय ॥ ॥

या		
॥	उत्तर	॥
	॥	

 ममनं दायययुः
 वृद्धि दक्षिण नृधि
 नगथा यश्चिमे

दाययुः कानं गन्धउद्यदः
 ॥ अर्कन ॥ मध्यमदाययुः
 सुनायुः कं चरुर्कितं ॥ ॥
 ॥ कियश्च अक्षनावाय ॥ ॥
 रुल ॥ ममनं वायुनाना
 गंधं नकनवाधिनासनं
 ॥ काननसंयदं सोखं गः
 ॥ अक्षनकामसिद्धिदं ॥ उद्य
 नसिद्धिदं सर्वं यं यवान
 रुलयुदं ॥ ॥ नरु ॥
 यश्च अक्षनायुजा ॥ पूर्वनि

म्व. लज्जयललनिर्वा
इयावैवदुलायुधुदः
लागिवाभ. मरुिमरु
लदं. शाकि कायदिकाः
थस्वाहा॥ ॥ शुवन
मृ. (१७) ॥ ॥ रुमि ॥ ॥

अथ यश्रक्षनाक्रयार्थ
कादिकथनयुवादिउक्त
नानंनान ॥ दुवयावाः
याकधन ॥ म. क्षजुनि ॥
मूलधनायजमानल्वरु
यक ॥ वाक्ष ॥ ममनवा
युनावाग्यथादि ॥ ॥
रुमिययधनावायक्रा
यविधि ॥ ॥ ॥ ॥

मगामासाद्रुमि ॥ लाकूट
१०८ अरुवमालकाका

यवाला माल शुविनवा
लमालउद्यग. धन. क
स्मिनवाभौव ॥ यजमान
नमस्कानयाचकाववा
हियाउमन ॥ जं. धी. धु
मो. धु. धु. स्वाहा ॥ धा
नर. धु. धु. ॥ जाय ॥ ॥
मा. धु. धु. सी. धननी ॥
मासाद्रुमि. ल. ॥ मरुय
न. ल. रुमि. रुग. य. धि
मि. रु. न. उ. काली. मा. स
म. रु. नु. स. रु. यु. रु. न. रु. ल.
या ॥ सि. धा. न. मा. स. रु. म. न
मो. डा. रु. द. धि. म. रु. ग. उ. व
मी. ना. न. रु. म. न. धा. नि. रु.
इ. न. सा. धि. म. ॥ म. रु. ४. सि. धा
मि. खा. द. व. ४. रु. रु. य. या
न. रु. य. ध. रु. क. या. धा. रु. वि.
धि. ना. रु. यो. वा. रु. सि. धि
म. वा. धु. या. ७ ॥ ॥ ॥

अथमासा इति ॥ प्रिदवादि
 ॥ कृत्तिका ॥ सकनसं ॥ व
 द्वादि ॥ अग्निनाम्नादि
 ॥ ॐ उादि ॥ थनसकल
 सं ॥ भर्थेवमनुनआइ
 ति ॥ यंत्रधनाहायक ॥
 दद्यात्कय ॥ ० ॥ यासा
 कित्यादि ॥ सकानभनूमा
 ॥ गत्यादिमुपय ॥ ० ॥
 ॐ मिमासा इति विधि ॥

गतामिदमिदमसागिन
 लसाय ॥ निर्मयुनादि ॥
 अग्निलारुलगा ॥ सगुदा
 नत्वाय ॥ मिलेसस ॥ यन
 सिद्धल ॥ सगुदा ॥ स्वान ॥ स
 रं ॥ जानमि ॥ यमिहा ॥ गाय
 दोली ॥ लासा ॥ नावयन ॥
 यरुमे ॥ यम ॥ गिन ॥ अय
 र्थलवकाय ॥ वीहिया

सधमसाचकं ॥ अर्घ्या
 उयालखनकाय ॥ ॐ ॥ कि
 तिर्विचकाकिनायक ॥ अ
 कायदृढ ॥ यश्चमनसा
 न ॥ साइरे ॥ साधनीस्वान ॥
 कुलस्वानयाचक ॥ मनुसनी ॥
 ॐ ॥ किलिशिविचकाकिना
 यक ॥ अकायदृढ ॥ साय
 मनु ॥ ॐ ॥ द्वां द्वां मेहेसोति
 कायि ॥ कानन ॥ ययाय ॥ योयट
 ॥ ॐ ॥ द्वां याय ॥ ॥ ताउनी ॥
 ॐ ॥ या ॥ नमया ॥ अद्याना
 मूखी ॥ यवदू ॥ नूयाये ॥ क
 वचाय ॥ दूयाय ॥ ॥ अत्रगु
 ॥ ॥ ॐ ॥ किलिशिविचका
 किनायक ॥ अकायदृढ ॥
 ॥ अत्रमूजा ॥ वन्दन ॥ सिद्धम
 दृष्टि ॥ अजमका ॥ स्वान ॥ क
 र्थुयगा ॥ यश्चयगा ॥ नकय
 कान ॥ लकय ॥ यान ॥ ॥ यंत्र
 वले ॥ मथसर्ग ॥ ॥ यालसया

शिलमनु॥ नै॥ मुं मुं मुं मुं नै॥
 याय॥ ॥ आदु काय न नया
 याव वीरि यो प्रस थमसा
 यकं ग॥ ॥ अं २ वयं
 मा॥ मूलमनु॥ अत्र यनीः
 यूजा॥ मूलमनु॥ अत्र यनी
 दृष्ट दाया॥ मूलमनु॥ अत्र
 यनी दृष्ट वायक॥ ॥
 मूलमनु॥ अत्र यूजा॥ मूलम
 नु॥ अत्र दृष्ट दाया॥ मूल
 मनु॥ अत्र दृष्ट शासक
 य॥ सा इह यूयी दायक
 वक्तुय॥ ॥ मूलमनु
 दाया॥ अवना अवसं॥ ख
 वना खवसं॥ अव॥ अवः
 वसं॥ खव॥ खवसं॥ दा
 य॥ ॥ नै॥ नमी रुगव
 गिद दक म लाये जां द
 दयाय स्वाहा॥ ग्यवा॥ ग्य
 या॥ नृगव॥ दथ सदाया॥

शिव कायमनु॥ नै॥ याय॥
 ॥ स्वानन थमसावकं निः
 वीरिया जाह्नमनु॥ अदाय
 मूलमनु॥ अत्र नादु गिधुः
 धुं॥ नै॥ ॥ ॥ ॥ ॥ स्वाहा॥
 ॥ ३ ॥ वा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 दिग्दानं ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 सृं गनैय गिवदकं यागि
 नीरुगया लं सुष्टि त्याम
 वदवा॥ ॥ सगल गलयना
 मलुल विद्वदकं आर्थ
 यकं वयधुं जलिवलिस
 रिगं यश्रया नादियकं
 सनुश सवदवा कलन
 मुखयगाया रुक् किध्वः
 नीमं स्वाहा॥ यश्रक्षदि
 गहीनक॥ ॥ अव॥ थयसं
 धाना रुक याय॥ ॥ यधः
 दसमय विय॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ गिगिनादु गिविधि॥ ॥

१ सलामुलये॥ वासन॥ गिकद॥ गिरुत्ता॥ लवंग॥ जागिरुल॥ जला॥ सुकम्याल॥ कपूरन॥ धुवा

ममः युद्धिका क्रुनि। नैः
 उं शं सः स्वादाः। नैः नू
 वंशः स्वादाः। नैः नू ना
 नि नू कं शं मि स्वादाः॥

अथ निविर्क श्रुतिः
 स्वादाशावे ॥ अनाह्वानं
 यदाह्वानं तस्यैव क्रिय
 तममस्वादाशावे ॥ शु
 शुं शुं ३ शुं स ४ अमृ
 नीक्षमहा रेव वा यय
 द्विकाय स्वादाशा ३ ॥
 ॥ दवा मृत्युं जया का. रु
 निविधि कमला याव
 गीत्क दमाहृ. जिवरुन
 म्वना (था. मनसि जदय
 वा मझला शोय धी ४ ॥
 कव ४ कुर्वे नुयुष्टि धन
 सुगवनिगा संयगास
 वेदादि यष्ट्या द्रव्याव
 ऊर्के स्वगुनक विधिना
 यष्टियुग्मं इगन ४ स्वादु
 ४ ॥ ० नित्य दिका इति ॥

नगः ॥ ज्ञात्राद्यदवजगि
युजा ॥ रुसाद्य ॥ चदन ॥
यक्षाद्यविगयुष्यधूय
दीय ॥ वाध्वादन ॥ जन
सकल्य ॥ अजगधदि ॥ ॥

अथ जवधानादिहाम ॥
अष्टवीरि ॥ यवधानाद्यग
थामर्ग कलार्वाभाषम
ववा कलक कालमाय
ध्वसिद्धाधनष्टवीरि क
॥ लाजा समीध यायस
गुशोदन दध्वादन जा
वीन धीरुल यक्षोषधी
जावीन नक वक्र ॥ गु
दद्यादि गिरुला गिक
रु नूयकेश यमकेश स
मख ध्वग गिल लेक नि
ल सगयुष्य विमंगु जगु

न कृकम धीरवतु गुगुलि
चतुःसम गुगिका वाध
नी वदगुली कीम्यनोः
लिकल वदलीरुल रु
द मूल रुल यकी रु
न ॥ ॥ रुमगावधी यथा
रुग दध्वमिधानुहामय
मूलमनुन सर्वदायथ ॥

तगाद्युगवृकाहाम ॥ अग
धान ॥ १०८ ॥ मूलन ॥ ॥

नगः ॥ याविगुहाम ॥ ६०८
यदिदमालाकयाल ॥ १०
॥ ॥ ॥ ॥ नूडरुखाहा ॥
॥ ॥ मारुत्य ॥ ४४ ॥ ॥ ॥
ग ॥ १०८ ॥ ४४ ॥ ॥ ॥ यक
त्य ॥ ४४ ॥ ॥ ॥ ॥ यरुत्य ॥ ४४
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ नमो गच्छ ४ स्वाहा ४ नमो न
कृष्ण ४ स्वाहा ४ नमो नमो
स्व ४ स्वाहा ४ नमो विष्णु
स्व ४ स्वाहा ४ नमो नमो
या लय ४ स्वाहा ४ नमो नमो
हृदय ४ स्वाहा ४ २ ॥ १०
॥ ॐ मित्रा विंशतिरुक्ता ॥

मम ४ अक वलिदाय यजा
यदि वलिदाय २ वसवक
का दय ॥ कृष्ण ४ अगच्छ
समथयनायाय ॥ यूज
नमस्तु ॥ ॐ मित्रा वलि ४ ॥

अथ जनक वलि विद्या ॥ नमो
नमो नमो ४ स्वाहा ४ ॥ यूज
॥ नमो नमो ४ स्वाहा ४ ॥
दक्षि ॥ नमो नमो ४ स्वाहा
४ ॥ यद्यि ॥ नमो नमो ४
स्व ४ स्वाहा ४ ॥ ३ ॥ नमो नमो

यद्यि ४ स्वाहा ४ ॥ १० ॥ नमो
नमो नमो ४ स्वाहा ४ ॥
४ ॥ अगच्छ ४ नमो नमो ४
स्वाहा ४ नमो ॥ नमो नमो
गच्छ ४ स्वाहा ४ वायु ॥ नमो
नमो नमो ४ स्वाहा ४ म
॥ नमो नमो ४ स्वाहा ४ ॥
॥ १० ॥ नमो नमो ४ स्वाहा ४
४ ॥ अगच्छ ४ नमो नमो ४
लाय स्वाहा ४ नमो ॥ नमो नमो
हृदय ४ स्वाहा ४ वायु ४ ॥
॥ मित्रा जनक वलि ॥ ॥

अथ वरिष्ठ वलि ॥ द्वितीय
मल्ल ॥ नमो नमो ४ स्वाहा ४
४ ॥ नमो नमो ४ स्वाहा ४ ॥
नमो नमो ४ स्वाहा ४ ॥ नमो नमो
नमो नमो ४ स्वाहा ४ ॥ नमो नमो
वन्धय स्वाहा ४ ॥ नमो नमो वा
मृगय स्वाहा ४ ॥ नमो नमो क

यनायसाहा॥ने॥जाँ॥शी
 भनायसाहा॥ने॥॥॥ति
 युवादि॥शी॥भनान॥ने॥
 जाँवम॥(॥साहा॥ने॥जाँ
 विषुवसाहा॥अ॥ध॥रा
 (गमदीय॥ने॥॥जाँक
 गुयाल॥॥साहा॥नया
 म॥ध॥जाय॥॥॥॥
 धनसजननवलिसुय॥
 वरिर्वलिदभवलिसम
 दयवलिवि॥॥न॥॥
 ॥तिजननवलिवरिर्व
 लिविदि॥॥॥॥

गतांवलियवध्यादिष्ट
 रि॥कादभवलिसमयक
 वलिरुलने॥॥दव॥आ॥श्री
 र्यदकि॥॥॥यक॥मानका॥
 वाचकायकलसयाकसगा॥
 मंथवयासनयविरुमायन

प्रलीनारिषकं॥॥॥वम
 सयुर्धुयगुदकि॥॥ने॥॥य
 जमानस्यजमकदया॥॥
 श्रीकृडिकागिजकनिमि
 र्थ॥॥कनायकनवकु॥॥
 यवम॥॥युर्धुयागुदकि
 ॥॥॥॥मदं॥॥॥॥॥॥॥॥

मर॥॥सयुर्धु॥॥कनिकानय
 ॥॥युनदसीवकुयुयमा
 ला॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥
 अइवाननय॥॥यजमान
 नयनवकजादाव॥॥वय
 ददावनारिसजलेंववृ
 ल्यानयुयाव॥॥॥॥॥॥॥॥
 जमानस्ययथाकामना
 कृडिकागिदिनयकसं
 युर्धुनिमित्थसंयुर्धु॥॥
 किममर्हकमकु॥॥॥॥॥॥॥॥
 सन्धकमिदलानकि॥॥॥॥

शुक्रागिरिद्वयप्रियथयद
गता. गीतिदद्यात्प्रिमा
गु. लुप्तस्ययुवद्वः
विवधयदगता. शुक्ति
वर्ज्यसिद्धा. गान्ध्या
वानवृद्धा. रुवगिरुव
नना. गीतिकान्वयवाभा
वजामागासुगर्भा. जय
तिजययदानिरुनूया
तिवाभा. ॥ २ ॥ यथय
रुयसंस्तुतिविदि
तिनिवा. सौस्तुतादव
नाया. कृ. पुवावक्रिम
ध. कलनयनिर्गोमेम
लुलसुष्टिसवा. कसः
वृमनुदवा. अरिमन
वनदामनुमनीयनूया
मृजामनुदिदिनायज
नयनिविधि. नानदाया

कमस्व. ॥ ३ ॥ यकस्थान
वनलनसनिधिगुटिक
याइकारुवनलनयाताः
लदिद्यसिद्धिगिरुवन
सरिगादिद्यविनामसि
ध. सिद्धिदिद्योयधीना
यनयनविधान. गान्ध्या
मनुवाद. येनयथयसो
दात्मरुवगुरुवर्तामयि
दवयुधना. ॥ ४ ॥
उयालाकयाला. स्वस्व
दिनिवसिता. स्वस्वमृज
सयका. आदिद्यादिगुरु
भावगिरुविधादा. ज.
नदवा. स्वयका. मृका
यागा. स्वनिध्या. गदागु
नूवदका. सुष्टिसमाह
काव. सिद्धि. (यथाददाः
गुरुवगुरुवसमगीयक
वृष्टिगुरुगुरु. ॥ ५ ॥ यद

अकहाकि विन्द दीर्घाग
 विन्दकहां अजगन विज
 यार्थगगुह कालनं न
 रं या अं अननं अननुः
 जगद्वयं वि इमालि अं न
 र्वा जिह्वासकत्र कालय
 वनधायसरुं आद नरुं
 सज्ज्या ॥ १० ॥ दद्यागइ
 यवर्धुय कयकै धनक
 (८) कनं कदेव उद्याय
 निरुं यमदिगवदनीम
 गिदवीं विविशं। मरुि
 लाकुमुम (५) कमलविः
 कनिर्गम (५) यद्वयससुं
 सादवीकुडि नूयी वरुः
 विधरु लदाया रुमा अग्नि
 हाकि ॥ ११ ॥ कलहा ॥
 दवामहायुयीनां यम
 मयिवयठे यनवे ३ कुः
 मूमरुि (५) नीने सीथता

ओः कसमरुलसुगं (५) वी
 भीवीरुिनने ३॥ दीयेद्वुर्
 कगाये मलनयननुरमह
 हि सिन्दुनयुवी ययैनेव
 यधुये ३ सुकलेजविधिक
 नंनमयुर्कुक्रम ॥ १२ ॥
 नाग ॥ यकादि ॥ यकली
 यकनागदिधीलमीग
 ददवना। सुनाधियसः
 मरुहासु लोवे सननन
 मामि ॥ ॥ वलिहंजा
 वनआदिनसमरुं ॥ ॥
 विदवादि ॥ नवासा कुमा
 मूलसुन ॥ मरुमाया ॥
 गीसंवर्त्तयादि ॥ ॥ ग
 वकीनयदास्या चविद्या
 स्वावानस कि ॥ याधदा
 नाखिनाया म्भसयायावा
 यथिवीतथा ॥ ॥ यः
 दिदाया सीय रुस्यः आत्र
 यस्य वि (५) यग ३ मरुम

डाविहीनश्च सांगय ० न
दासतः ॥ मगकनादिही
नस्वा दव ग्मादिवि (मय
नः ॥ शुविहीलादिरुं (गं
यायनेय ० न कर्मसू ॥ व
दः ॥ फाद्य शुद्धन क्रियाः
हीननददिनी ॥ कनुसरु
सिगतस द कर्वरु शिवम
गर्भ ॥ ॥ ॥ सनु
सनुनिर्नगलं सुरुतिना
विधंरु याया दया नाजा
नध्यतिद्यालयनुवसुधां
धर्मस्तितां सर्वदा ॥ कल
सनुमि वरि (म जलमू
वः ॥ सनुयुजा ॥ यथेदा
मादका धनवृद्धि युमाः
दा ॥ सदा ॥ ॥ दवक
लः ॥ स (मन ॥ ग्वज्ज ॥
वर्ति ॥ ग्वयास ॥ कोमागी
॥ विवर्ति ॥ यश्च वर्ति ॥ सु
यादि ॥ सुष्ठुल ॥ ग्मा

वकाति ॥ यीथिका ॥ ॥
मनुमदामाय ॥ स्रुयः
॥ ॥ यथेगकि ॥ येनिवा
वमावकातन ॥ ॥ अ
ज्ञाना ॥ ज्ञानतावाधिजना
यायादिनंदन ॥ कनुहः
सिमदवी कमादिजगतां
यनदिनक वृद्धादायाश्च
मानुष्मन्ति सर्वे सुखीरु
वरुताका ॥ ॥ लंगति ॥ सर्व
रुतानां सस्तिन लं च नाच
न ॥ अकवी वरुतानां डि
दुल्येय नमश्च नः ॥ कर्म
मनासा वाचा तनानान्या
गतर्मम ॥ मनुहीन क्रिया
हीन रुकिदिनं तथेवः
व ॥ अहर्तवा क हीनवत
सुवत्तुतासर्न ॥ ॥ जथा
रामाचर्ना हीनवर्तिनेः
वरुभायन ॥ गसुवृक्ष
गीदवी विमया हीनेनय

स्तुतं भक्तुः सुहृत् लंददि
 लया लयानमाप्नुते ॥ वा
 धादं यावत् कर्माद्यादि ॥ ॥
 अमुगभादि ॥ ॥ मधु
 लसबाह्वस्ताननद्वयक
 ॥ दवकलमज्जिज्जिभीर्व
 द ॥ अयथापुसबाह्वलः
 स्वथमहाय ॥ वचनसिद्ध
 न जाभीवदि ॥ ॥
 अग्निनकाकायमग्निगस्तु
 रुस्मललाटशीवायांद
 किं वाहूमूलं द्वादश
 लकं कात्रय ॥ ॥
 कनविसर्जनी ॥ नैऋति
 शिविर्वाकाकनायद्वयः
 सुयद्वय ॥ ॥ सिंहास
 नार्कभस्मस्मिन्वाय ॥ य
 जमानः ॥ निर्माद्वय ॥ अ
 गिलाहलका ॥ ॥ दव
 याकवाकनद्वय ॥ गय
 नी ॥ ॥ दवस्ककनसा
 रिकवियः सुगुणमाद

त्वयसाकि ॥ १
 नीहाम ॥ आस ॥ लि ॥ ध्वय
 जमानयागविय ॥ अग्नि
 यकवि ॥ वनसिन्दुलमा
 रुनीसगुणयवसुगुका
 रुलययायाभीवदि ॥ क
 लभीकाय ॥ यजमानयग
 शिव ॥ यजमानीयागधः
 कि ॥ आचार्ययागजादि
 कलकायसकनसंकाय
 ॥ सरुजावतियुतिष्टा ॥ तं
 यंहीनं ॥ कसकनसाव
 क ॥ नायहीन ॥ ॥
 वृष्णायवीविसर्जनी ॥ नै
 ऋतिश्चिविर्वाति ॥ वृष्णा
 कसमाव ॥ नैऋतमागव
 तिहदकमलायेति ॥ य
 निगारिषकसस्मरु ॥ ॥
 नैऋतकाकासनाकसका
 गवीरुति ॥ ॥ वृष्णा
 सिद्धा ॥ नैऋतमारुगव
 तीहदकमलायेकाह
 दयाययायु ॥ ॥
 वृष्णातः अक्षमश्वयाय ॥ १

अग्निविसर्जनं ॥ त्रैलोक्यं किं लिख
 विष्णुकोटिनायकः ॥ अमुय
 रुद्र ॥ त्रैलोक्यं गच्छ गच्छ सुनन्द
 हृत्तालासंज्ञानवाहकः ॥
 यशस्वान्नमादवास्तु
 गच्छुः कर्मासनं ॥ ॥ ॥
 यदाम् ॥ ॥ देवी स्वाः
 लालीनं रावये ॥ नामि
 य ॥ न्यासलिकाय ॥ सूर्य
 साक्षी ॥ ॥ वलिर्गुजा
 वनभवनस्थायसंश्रुय ॥
 यक्षयक्षणीधायसंश्रुय ॥
 धीलक्ष्मीयक्षमानविय ॥
 धर्मादिनिर्दधनयावक ॥ न
 माकोमानीयुजा ॥ यथावि
 धानन ॥ धनं वाकं द्रुय
 नय्ययाय ॥ समयकाय
 ॥ नय्य ॥ कोमालिविसर्ज
 नं ॥ श्रुय ॥ ॥ ॥
 अथ नाक्षत्रविधिनामाल
 काकर्मयाय ॥ ॥ सीति

यथा लंरुयाय कर्मउत्थ
 याय ॥ विनकनसदधन
 याय ॥ नवद्रायाजमान
 नकायावगर्हयाय ॥
 विनकलसधद्रुद्रकाय
 ॥ मजाता ॥ थकर्मसमयका
 य ॥ कलकद्रुय ॥ ॥
 ॐ तिथीदवप्रतिष्ठादिन
 कृत्तिमियक्षसमाय ॥ ॥

सम्बन्ध ॥ २५ कार्तिकेयकृत्तुहृत्ता
 लानेकं ॥ अग्निर्गर्धजाग ॥ ॥
 मवाल ॥ थसूनुषीसूक्ष्मदयक्ष
 उवलास ॥ श्रीवागमतिर्वस
 कर्माचार्यलक्ष्मीनानि ॥ हयास्व
 पूर ॥ लाक्ष्मीननसीन ॥ मिर्गुश
 उदिनद्रुला ॥ वर्यद्रुसदगा
 दूसलद्रुशाना ॥ ॥ ॥

गंगा जीवकलसमर्चनवि
धिः॥ यजमानस्य॥ ॐ अथा
दि॥ युष्मत्ताजकाय॥ वाः
स्य॥ यजमानस्य जीर्णोद्धार
लनार्थं श्रीमन्मन्त्रं अमुक
स्य जीवकलसमर्चननिमि
त्यर्थः॥ ॥ आवायनि॥
अथादि॥ सुयार्थः॥ गुण
मस्कनं॥ न्यासाद्यमागुय
जा॥ रुग्णशुद्धिः॥ आत्मयुः
जा॥ कनसजसुक्ष्माकारे
र्ण॥ हृदयादिनधूययः
॥ कवचनेजवगुहर्णं॥
नग्ननेसम्पादुर्ण॥ दवया
जवसयद्वामनेशाय
मिथनेवावावकासख
यर्ण॥ दवनेकलसर्ण॥ मू
लमनुदानीथलखर्ण॥ ल
यल॥ शहायनक॥ वीरि
क॥ मोहर्ण॥ यश्चनत्रण॥
सनावययावर्ण॥ खलि
नदयर्ण॥ यश्चमृगर्ण

दवकलसमर्चयिदाङ्क
लसमर्ण॥ दवकलसर्ण
लसर्ण॥ यश्चमृगसर्ण
॥ अलिस्वर्ण॥ यश्चनमि
द्वन॥ कर्णयताय॥ यश्चय
ताय॥ कलसयातद्विज
जमका॥ अद्वान॥ स्वानर्ण
॥ यद्वाननवाय॥ नाय
हर्ण॥ नेवायवलिवाय॥
ठिवर्ण॥ यश्चवर्णवाय॥
मलानववाय॥ कलसः
याद्वाननवाय॥ आवा
यर्ण॥ अथादि॥ यवदगु
नियाय॥ विष्णुखनय
जायाय॥ कलसम॥ धूय
दीय॥ जाय॥ मूलमनुद
॥ १०८॥ द्वाहास्वान॥ १०८
॥ अकनग्व॥ १०८॥ कलस
मर्ण॥ जीवयुगिष्टामनुद
जाय॥ १०८॥ निष्कर्ण॥ श्री
आजीकयनलवर्ण॥ ॐ

सैरुं कंरुं सं४ श्रौं श्रीं जमक
 स्यात्ताम सर्वत्रि यानि ००
 हागल्यसुखं विनक्ति सुनु
 स्यादा ॥ कलक्षस ॥ विय
 ॥ दवयाक जीव न्यासलि
 कायमनु ॥ उं कीं श्रीं धूं श्रीं
 कूं श्रीं उं कीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं
 देवालयघटं जागनु १ स्वा
 दा ॥ धा १०८ ॥ दा हा स्त्री ॥
 रुत ॥ कलक्षस ॥ धनं
 धूनकावविधि (धु) यूजा
 याय ॥ यशुगर्थदा ॥ वाकं
 द्याय ॥ जमुगधादि ॥ स
 मयगर्थदा ॥ वलिमाका
 यूजा ॥ दवजावा यदकि
 दा ॥ धनविश्वकर्मायूज
 याय ॥ धनदव न्यासमु
 दायादाव ॥ सिंदूलज
 मका स्नानकायाव जीव
 कलसस ॥ जमुगधादि ॥
 धनधूनकाव न्यासलिका

य ॥ सूर्यसाकि ॥ ॥ यज
 मानयातयग स्नानविय ॥
 जाहीर्वादविय ॥ समयवि
 य ॥ वलिथय ॥ सूर्य ॥
 ०० तिवकलक्ष नममा
 य ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

अथयालयमिष्टायायः
 मूलमनुयं ॥ नासि ॥ उं
 जयादि ॥ सूर्यार्थ ॥ गुन
 नस्केमेन ॥ यासाययाज
 यूजा ॥ यनजमकदवः
 स्यान्यास ॥ दवजयाया
 दादकनहिरवा ॥ धनया
 धयमिष्टायाय ॥ मनु ॥
 उं कीं श्रीं धूं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं
 यं नं लं वं मं यं सैरुं कंरुं
 सं४ श्रौं श्रीं जमक स्यात्ताम
 सर्वत्रि यानि ०० हागल्य
 सुखं विनक्ति थं सुनु स्वा

हा॥ १०८॥ थमय न काव
 दवस्तु यमग ॥ सिं लं हा
 लं ॥ दवस्तान यात्रक ॥
 यासादिज लाघयाउयू
 जा ॥ मासनीय ॥ यश्च
 वलि ॥ वि वलि ॥ घाटा ॥
 सा दिक्मात्रं माय ॥ वि
 लोचदवाचनदववि ॥
 ययायद्वा दवस्तु ॥ लि
 थकलससयूजा ॥ धूय दी
 य ॥ जय ॥ मुकु ॥ यश्च
 उकानकलससमु १ द
 वस्तु ३ यीन ॥ यश्च
 उकाथमका कं यावन ॥
 गुगुलि कं थन ॥ द्वाहाल
 खान ॥ जग्गुजा दाववि
 लोचमनु ६ जययाय ॥
 घटमजीवलि कायम
 नुथ ॥ उंजीं धीं धुं धीं
 उंजीं धीं धीं जा ७ लं बा ६
 घटं जागकु २ खाहा ॥ १०८

॥ मूलमनु ॥ उंजीं धीं धुं धीं
 धुं धीं धीं खाहा ॥ १० ॥
 धुं धीं धीं जयावेनेजवः
 धुं धीं धीं नि ॥ २ ॥ ज
 वखानजग्गुदवयाकः
 न ॥ यश्च मुकु कालिकाय
 ॥ युनदवाचनमा ॥
 जिन ॥ धूय दीय ॥ जय ॥
 सा ॥ यथयूजा ॥ यश्च
 र्क ॥ वाकं चय ॥ दवस्तु
 दकि ॥ जग्गुजा ॥ जग्गुजा
 नदकि ॥ समय काय
 ॥ हा र्क कलं कोर्क ॥
 र्क मिया ६ यमिहा ॥ ॥

ॐ नमः ध्वनि काये ॥ जादो रुण सम चै त्यादि ॥ न का स्य वा न र्गया दि ॥ वि
धुर्ध ल्प ग व र्ध त्यादि ॥ ज म क द व या स्तु य ० ७ ॥ ॥ पु न मः
ध्व नि का ये ॥ बौ बौ बौ बी ल रु फ व वि व व व ट क डी उ डी द धु म ड डी
धी डी ग कि ना द ष जन रु ग नि न दे तु कि द म कि द ली रु रु सा वि धा ने
ने व न य रु ग ल सि छि दा बा म मा ॥ अ जे जी रु ने ला व पा थ क क क कि
वि द्यू न बी न रु ड न म रु ॥ १ ॥ ॐ ने की छी झू झू झू हा रु रु सि ग मि

वृत्तं सुगंधं शुद्धं क्रीडां दं सन्नुष्टं उमरुमरुमलीजामलीयद्यमर्धं । निर्या
 नं द्यागदशानियतिगवसूक्ष्मवृक्षदं (लुधुदं) सद्वासा द्वे सन्नुयद्विभुवन
 नमिर्गवास्मिमागन्तमर्धं ॥ २ ॥ क्रीडां क्रीडां वृत्तं मर्धं रुव रुव रुव नीरु
 वरुव रुवा विरुव निर्मर्कमर्कमार्ग वन रुव गम (ल) सामसु शोभिम
 (आ) क्रीडां सुल्लेखसूक्ष्म ज्ञयनयनयन ज्ञानमा (अ) वृक्षमर्धं नृगो धूलमर्धं
 कलसकलकलसीमर्धं ॥ ३ ॥ ज्ञां क्रीडां ज्ञे क्रीडानी कर्क कर्क

मखिलैकिया नान्ना ए मडा संझा छि दीर्घा कनक नमस्ततः श्रीम गगुटे
गुक्क । गजा ए सिद्धि नाथ मनघवन वध गीबु जाह्न निधाने नका नना
छिमब्धः स्वयि गय धुङ्ग न गण कार्क नमस्क ॥ ४ ॥ वावी वृ वेष्म वी ल्व दह
नय नग गे लासि वृ भन वक पि क्क टं वान यक्क दिन कन नमि रं दाडी मीय
यव धुम् । दसु न काम नाई दान दान दानि रं को कन गार्क यक्क नि स्य दका
दद रं क द क द क हिरं गुम् मड नमस्क ॥ ५ ॥ बाडी दू धान रु छु घ

[illegible]

[illegible]

ईशाखास्वाददृष्टव्यं समित्तवेरे रुच्यं सर्वविद्यान्मकाय गंगी गृगं लौघ
 उद्ध गगणगतिगतं सिद्धि सर्वार्थदाया तु गृमडा गजाखे गसयमनन
 न ज्ञास्वयानेकदन्तं कुंजो दुर्गो ग (ध) धि न दमस्व ग (ध) विद्यना (ध) नम
 रु ॥ १० ॥ दव्याष्टककु आदेवी य (०) रं च समादिता गस्तु सिद्धि रुवधीष्ट
 आभीनी नायसादरु ॥ ११ ॥ कथितं आभीनी रुतुं निह्यारं कु वना नना डि
 निरु य विष्णुमा न्यं सुना नमयि इ न्नेरुं ॥ १२ ॥ गिष्ठी दय्य धि स्वाया सिद्धि

मानसं ग्रहं चतुर्नामीति सादुपदेया हरकसमायकः॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

दा॥ ॐ ह्रीं धात्री गङ्गा नमो हर्मो गीरुमवाससी धजागु विद्रुमदात्रमाहृदी
 वनमासुता॥ ४ ॥ धृष्टादा॥ कीरी मध्वनामसादा॥ मात्मनो विप्रकृन्
 नयाधुवानां निनामनि॥ कोनवामानसंरान वरुं डोयदीप्रियं॥ ५ ॥
 मगु॥ ॐ ह्रीं वृक्षाय सादा॥ किमलियसमाधिस्तु॥ यमगुजीवनरुप्रिमं ३१ व
 नदा रुयया निष्ठ ग्धनधननरुसदा॥ ६ ॥ यधुयगि॥ ॐ ह्रीं दायधुयगम
 सादा॥ नममध्वनु निनाध्वस्य वडुवामवानय॥ निनाकमगनानीरु मूलसु
 रीयध्वरुवा॥ ७ ॥ वृक्षा॥ ॐ ह्रीं मृगुध्वशे सादा॥ गुरुध्वनीमकाकागं

निरयं धुयगि वना॥ नया लस्तु सदानोमि॥ एवधानाक्तानिदी॥ ८ ॥ शु
 वादा॥ ॐ ह्रीं उकृताश्री सादा॥ धानवृथमकावाव सर्वसुक्त रुयंकनी॥ रु
 क्कवाववर्नदवी॥ गीरुमो धननागरं॥ ९ ॥ वंगु॥ ॐ ह्रीं सनमानावायसा
 दा॥ नवीननीवसाम नीलुडी दल्लावनी॥ दवकीन रनं वरुं दृक्कगमासनव
 यिदी॥ १० ॥ ऊरुद॥ ॐ ह्रीं कुक्षीकुक्षु हनसिद्धानिगकि मकिगायसादा॥ याधकि
 धनमसि नामधनियासंरासं ध्मायासव॥ यावालायवगीरुना छिगुधयाया
 यमसंस्तुता॥ मृदिधीयनवाऊया कि यथगमागोसध्मादवगी वधुनोववि

[illegible]

कुन्दरुनवायसादा॥ यनायनगर्नक्षार्कं धृमस्यननिर्मले। धृतयनगोऊमः
वर्तिनर्वनन्माम्भरे॥ १६ ॥ यथा । त्रिंष्टवेष्कवी सादा॥ इष्वत्रकुमदाक्षा
म्भृतीरविभिभयध। प्रसीदवेष्कवी नूथ नानायनीनमास्तुरे॥ १७ ॥ दृष्ट
दा । त्रिंष्टवेष्कवी सादा॥ वृद्धादी हंसमानुटा यीगाक्षीरबासमी। युक्तका
नविहमडात्र वृद्धादीवनभास्तुरे॥ १८ ॥ भनमिगता । त्रिंष्टवेष्कवी सा
दा॥ मादुध्यनी वृद्धा नूटा । ध्वर्गागी । ध्वनवासमी । क्षीधना । विहमडात्र नीडी
दवीनभास्तुरे॥ १९ ॥ लंबाया । त्रिंष्टवेष्कवी सादा॥ किनीटिनीमहावज्ज

सहस्रनयना द्वाभ्यां वृक्षं द्याधरुने त्रैलुडी नामाय विनमोऽस्तुते ॥ २० ॥ हासायाः
नामैत्रैः गौमलयगतयस्त्राहा ॥ यत्कथयवृक्षिऊनर्गाथ ॥ साक्षी हृदयसंस्तिताः सा
ध्याना रूपा विध्वस्य गीयुष्य विनायकं ॥ २१ ॥ धमकील ॥ त्रैः गंवा नागैस्त्रैः साक्षी
॥ वानादिमदीयानूठा नक्कादीया नवदिक्का मीना रुविन्दमूडात्र कौलननूदी
नमोऽस्तुते ॥ २२ ॥ सिकारुनेति ॥ त्रैः यत्रामधुयैस्त्राहा ॥ त्रामधुयैः कमानूठा
नक्काधुकाङ्कनूयिणी उमनखद्वाङ्कदस्र विन्दमूडानमोऽस्तुते ॥ २३ ॥ काभ
वृ ॥ त्रैः वंकोवालकोमाशैस्त्राहा ॥ कोमानीमयूना नूठा नक्काङ्गीनकवायसी

। अक्षरुविन्दमूडात्र गुम्फध्वनीनमोऽस्तुते ॥ २४ ॥ गीतिनी ॥ त्रैः सुंसिद्धिल
मीस्त्राहा ॥ सिंहासनमहालम्बी धूलोरुविन्दमूडिका ॥ ध्वगवर्धुतिभङ्गात्र
वक्कध्वनीनमोऽस्तुते ॥ २५ ॥ मणिक ॥ त्रैः द्रुमहाकालायस्त्राहा ॥ कलाकल
कनदिगं निर्विकारो निर्वज्जना धृन्धन्यगर्भगुन्यैः सेनवर्कनमा म्पदं ॥ २६
॥ इवकन ॥ त्रैः द्वाङ्कानेध्वयैस्त्राहा ॥ सनदीन्दनिरुगुमा सच्चोरुनदी हस्ति
तां ॥ यागर्गवर्जनसंयुक्ता रुरुक्कानेध्वनीयर्वा ॥ २७ ॥ पुकनाडा ॥ निर्याने
दयनशान्तं निरुर्नक निगामय ॥ यामागीकयनसूच्यैः सेनवर्कनमा म्पदं ॥

२८॥ किलि कुरु ॥ त्रैलोक्यं यत्कनदीयदत्तुना दत्तवीर्येण मम मरुता लाय स्वाहा ॥
 कलाफलसंहरणं कर्मात्यं विविद्विर्जितं ॥ विध्वनयस्त्रिगुणं निर्यातेन वक्तुं न माया
 दं ॥ २९॥ वावृणो ॥ त्रैलोक्यं लोकस्थनाय स्वाहा ॥ तं ध्वकययस्यैकाग्रं नानाभवे
 विद्वद्विगं ॥ लाकृध्वनवनात्मानं लोकनाथं न माया दं ॥ ३०॥ श्रीम ॥ त्रैलोक्यं
 श्रीसमध्वनाय स्वाहा ॥ कननोक्तु निरुक्तानं ॥ उभययानं ॥ दकानकं ॥ माग्मनां ॥
 रुयजिहीमं ॥ तद्वदयननात्मकं ॥ ३१॥ ॥ पुबानं व ॥ त्रैलोक्यं विध्वनयना ॥ अथ ॥
 त्रैलोक्यं वीकाशकिमदिनाय स्वाहा ॥ शिवशक्तिं सन्याय ॥ कायिनं विध्वनयन

॥ सर्वदृष्टस्वायुष्मन्नाय नमो हृत्तस्वामिन ॥ ३२॥ नाटध्वन ॥ त्रैलोक्यं
 नाय स्वाहा ॥ नन्दीधीमन्नाकाकानं मुदकृदनिर्णकर्तुं ॥ त्रैलोक्यं ॥ सर्वमयं
 कं ॥ तन्मम नृपनाथकं ॥ ३३॥ र्यं वाग्नि ॥ त्रैलोक्यं नये शुभमय स्वाहा ॥ ॥ विविदि
 र्दनि नृदाय ॥ रातुध्वन्यस्वयवा ॥ युर्वकृदमनिना गमय ॥ यद्वा ॥ अथ ॥ अथ ॥
 मश ॥ ३४॥ यूर्ध्ववल्लि ॥ नाड्यमागालोक्तुं नमो ॥ नाड्यदत्तदायधी ॥ यद्यं गिना
 ॥ उगद्वानी ॥ सिद्धिलम्पीनमास्तुते ॥ ३५॥ मानं केन त्रैलोक्यं ॥ कामरुतेन त्रै
 यस्वाहा ॥ यास्मिन्नेव म्रकयानस्यादि ॥ ३६॥ अथ ॥ अथ ॥ त्रैलोक्यं विध्वनयना ॥ अथ

यद्वापि धाम्नि नो धाकि स हि माय सादा ॥ इदं कर्म लनयन मादाय ॥ निष्कन्दनी
 लयना रुमां न नान्क मा ला वि धि व स्य यद् रु व रु वा ली स हि गं न मा मि शा
 ॥ काथं देव ॥ जे ॥ सु सु सु सु रु न सि द्धा दि छि द्धा कि स हि मा य सा दा ॥ आ धा कि न व
 का टि रं द द व न ॥ (ध र्म ग थ रं व द्वा) आ धा कि न व व रु म न क म ल
 धान मा (अ स्ति) गा थ आ धा कि न व यी ० म थ क म ल द वी ग थ व दि ता सा धा कि न
 व र व धु म धि क ला सा नू ड धा कि रं ॥ २८ ॥ क र्म ध न ॥ जे ॥ ज्ञा स दा धि वा य सा
 दा ॥ र सा य (न न धु रु) र ग ग द रु य द न ॥ स र्व ना के क ना थ व रु का या न व

धी धा धि क ल ध व नं ध र व (ग म नी) न व धु ॥ वि रु का टि न रु नं स क धि ल न य नं द व दे
 ख ड व रं क ल्या न स्य यु द या त्म द न म द रु नं य धि म व रु ड मी ल ॥ ३२ ॥ ध र व मा
 ल ॥ जे ॥ वृ व न धा य सा दा ॥ ना (ग) ड ना ग मं य रं ड ल स र्व धि क न रं ना गि नी ध
 क मा ना दि रु ड गी स न मा सु रं ॥ ३० ॥ ध म ध न ॥ जे ॥ ह म रु का ना य सा दा ॥ जी रु
 क क र्म र्व म नि म य म क रं म धु स र्था स्ति रु र्य ॥ न रं व रु व न्नी स स वा य नि सि
 ता म र्द कं ध व व रु ॥ र व द्वा रं र व न रुं ड म नू क ध नं या रु वि द व रु र्ग ॥ जे ॥ ना क
 स र्व द वा स क न म नि रु रं म रु का ना ले रु जा मि ॥ ३१ ॥ का थ रं ॥ जे ॥ कं ना क र्म

यमहात्मनः प्रयच्छायाहीमाय रुयानकनमा ॥ ८२ ॥ नागा ॥ निः
 वेनक्षयस्वाहा ॥ विभक्तं वेवर्षहीमे विद्याद्विवाय रे कर्षी ॥ याता नवसर्षीनि
 र्यं मनकं मुकु (गध्वनं) ॥ ८३ ॥ दग्गु ॥ निः ॥ मनु अवर ॥ ल्वे विष्णु स्वर्गमर्क
 धध्व ल्वे वृष्णा गलमारु का ॥ रुन वस्त्रं वजीवश्चर नमस्तु ॥ ८४ ॥
 आगम ॥ निः ॥ मनु अवर ॥ निः ॥ कान समानुता वेद यद्रा य निः सिता ॥ यदा क
 नगा र्णी दवी डी कस्त्रि कानमा मर्क ॥ ८५ ॥ मरुका काना ॥ निः ॥ मरुका काना य
 स्वाहा ॥ कृष्ण वर्णु मरुका यत्यादि ॥ ८६ ॥ निः ॥ ध्वन ॥ निः ॥ रुद्र विनध्य

नाय स्वाहा ॥ निवस्य नृयं त्यादि ॥ ८८ ॥ रुगवति ॥ निः ॥ मू ॥ इय वलुभुय
 स्वाहा ॥ यादवी मध्व के रयु मथनी त्यादि ॥ ८९ ॥ निने ॥ मू ॥ रुना ॥ निः ॥
 कानि लीङ्नाय स्वाहा ॥ जाको लीवा क मरु दधदि ॥ मू ॥ रुवने मय
 निने मर्क रुसो काष्ट वरु क कि कि रुन य वने सु वने र्ज गमवा वीरु सवा
 यधीना ॥ असुन सुन गले ॥ सर्व यै के क मा र्ग ॥ सर्व वा यि ॥ निवा यं ॥ मरु लनि
 वम आ ॥ नान्य दवे द्वितीय ॥ ९० ॥ कर्लेक ॥ निः ॥ मू ॥ कर्नेक नाथ य स्वाहा ॥ ९१
 र्क क लीङ्ना रं वन विकन धने जाया रु सं विष्णु ने या ए वि रुद्रि ने रं मरु

वृग्रहगणवद्रुक् मातृकांरुकाध्व यश्चभर्सेरेनवाहोवकिमी गधयुतां लाकया
लादिविद्युं भाजायकादियौ ॥ ५ ॥ चउभाषिमगदी इग्रवर्धुभजयादिर्नेवक्रवृत्ति
भोक्तिर्देयेनेरुगुविधिः क्षान्तिरुया ॥ ७ ॥ ॥ इति दक्षायामनविधिः

॥

एयशिमाम्नाय ॥ उरुनाम्नाय ॥ सिद्धिलक्ष्मीया ॥ दक्षिणया ॥ नीचसप्तस्वमिया ॥ ८ ॥
द्विस्नाय ॥ र्णवमणवस्नानकायविधिः ॥ धनयासंगया ॥ श्रीमहादेवया कंसे
सप्तमिस्नानकायारुल ॥ ॥ सम्यग् ६० ॥ गवधकृष्ण दसमि बुधवानश्चक्र

५ ५ ५ ५ ५

॥ नमो भगवते नमः ॥ प्रथमास्तुत्या ॥ ज्योतिषमात्राय ॥ जातीचण्डलीयुथी चयः
के ॥ १ ॥ श्वगउत्यले ॥ कंरकी रुमजातीच सुऊ ॥ १ ॥ गपग क ॥ वंधूकपद्म क न्याख्ये ॥ १ ॥
तपुष्यध्याटले ॥ कसुम्हे ॥ किंहुके ॥ पुष्ये ॥ पुनागनाक ॥ १ ॥ वकुले ॥ सुगले ॥ १ ॥
नौ ॥ देवक न्याख्यसम्भवे ॥ काशशशो रुधेद वि ॥ शिसु ॥ १ ॥ कशि कानके ॥ १ ॥ नकात्यले
महापुष्ये ॥ यचान्यवानुर्गधवान् ॥ युकिमकियुदाजाति वालावलविवर्द्धनी ॥ १ ॥ श्वतया
तलिकाधवी ॥ वदन्तिचमरुद्रा ॥ १ ॥ क्षान्तियुष्ये ॥ नपद्म ॥ १ ॥ गतपण्य सुपण्य के ॥ वंधूकव
॥ १ ॥ दंथाके ॥ गधनकाभ्यमानकं ॥ १ ॥ मोराग्रक्षालियुष्ये ॥ १ ॥ सुऊ ॥ सुखदायकं ॥ कद

मंचकुलकुचं वचकुंदायनाशनं ॥ कसुक्किंभुकेधेवि वभमाकृषिकानका म
 कालश्रीयदीप्यो पुनगनाकषाभौ ॥ नकमृत्युलवभे नीलकुचं चमानदा ॥ डि
 मरुदे ८ प्रथो ८ ॥ गुरुधमचरयापहं ॥ दमनंगुलशीलेद सुवेयापक्रयं कनं ॥ सिंदनी
 वधकृथाका सदा कषेधमानका ॥ गिरुं धामं एवे ८ प्रथो ८ ॥ कमयाय चयत्सदा न
 स्यानिधानजायत सुगमनैते संशयः ॥ अशब्दं न प्रया कन धेदवी यूज
 याऊन्यागतगुधवृद्धिकाम ८ नरिऊ ती प्रथो ८ ॥ कृत्तिका दवी मरुं यूज शिषा ॥
 अशरुकि मृकिरुलया फिकाम ८ नरिऊ जिति प्रथो ८ ॥ कृत्तिका दवी मरुं यूज शिषा ॥

दिलस्नान ॥ ॥ अशवल विवर्द्धनरुलया फिकाम ८ नरिऊ नीला प्रथो ८ ॥ कृत्तिका द
 वी मरुं यूज शिषा ॥ वद्याथालव ॥ ॥ ग्वगयात लिप्रया ॥ अशमहाय ८ ॥ या
 फिकाम ८ नरिऊ ८ ॥ ग्वगयात लि का प्रथो ८ ॥ कृत्तिका दवी मरुं यूज शिषा ॥ भायवया गु
 लेस्नान ॥ ॥ पद्म प्रया ॥ अशमनि प्रुलेया फिकाम ८ नरिऊ ८ ॥ यद्वा प्रया
 ८ ॥ कृत्तिका दवी मरुं यूज शिषा ॥ ॥ नकवधूक प्रया ॥ अशमान
 धरुलया फिकाम ८ नरिऊ ८ ॥ नकवधूक प्रथो ८ ॥ कृत्तिका ८ ॥ आदुवध नस्नान ॥
 मालिप्रया ॥ अशमी एग्वरुलया फिकाम ८ नरिऊ ८ ॥ मालिप्रथो ८ ॥ कृत्तिका ८ ॥ धू

णियाव॥ ॥ मङ्गलपुष्पास्य॥ अद्यसुखरुलयाफिकाम८ नरिर्मङ्गलपुष्पो८ श्री
 कृत्तिका८॥ ॥ षातपुष्पास्य॥ अद्यमङ्गलपुष्पिकरुलयाफिका
 म८ नरि८ षातपुष्पास्य॥ अद्यमङ्गलपुष्पास्य॥ ॥ वधूकपुष्पास्य॥ अ
 द्यवधूपाफिकाम८ नरि८ श्रीकृत्तिका८॥ वधूनखान॥ ॥ कदम्बपुष्पास्य॥
 अद्यअर्धनाभरुलयाफिकाम८ नरि८ श्रीकृत्तिका८॥ कदम्बयाव॥ ॥ वक्रले
 पुष्पास्य॥ अद्यअर्धनाभरुलयाफिकाम८ नरि८ वैकुण्ठपुष्पो८ श्रीकृत्तिका८॥ वक्रले
 खान॥ ॥ कन्दपुष्पास्य॥ अद्यअर्धनाभरुलयाफिकाम८ नरि८ कन्दपुष्पो८ श्री

लोहासिव ३

कृत्तिका८॥ द्वाहालखान॥ ॥ वचकन्दखानगरुल॥ ॥ कर्पूरकिंभुक
 पुष्पास्य॥ अद्यवधूमाकृत्तिका नरुलयाफिकाम८ नरि८ कर्पूरकिंभुकपुष्पो८ श्रीक
 र्त्तिका८॥ कर्पूरमखान॥ ॥ पुन्नागनागपुष्पास्य॥ अद्यमङ्गलपुष्पिकरुलयाफिका
 म८ नरि८ पुन्नागनाकंठनपुष्पो८ श्रीकृत्तिका८॥ लपखान॥ ॥ नकात्येलपुष्पा
 स्य॥ अद्यवधूरुलयाफिकाम८ नरि८ नकात्येलपुष्पो८ श्रीकृत्तिका८॥ आङ्गुल
 खान॥ ॥ नीलकृष्णत्येलस्य॥ अद्यमानदरुलयाफिकाम८ नरि८ नीलकृष्ण
 त्येलपुष्पो८ श्रीकृत्तिका८॥ आङ्गुलकडपलखान॥ ॥ अथगणिर्मङ्गलपुष्पास्य॥

अथ षष्ठोऽध्यायः ॥ अथ यथा कथं विदुषां प्रवृत्तिः ॥
 लक्षणम् ॥ १ ॥ अथ यथा कथं विदुषां प्रवृत्तिः ॥
 लक्षणम् ॥ २ ॥ अथ यथा कथं विदुषां प्रवृत्तिः ॥

[illegible]

अथ उक्तं नाम्नाय ॥ एतावममुं ॥ माहाकालसंहिताया ॥ शिनीये ४ कर्त्तिके ३ शुक्ल
 पक्षे ४ काविदानके ४ वक्रलेखे तमन्वा ३ ४ कन्दपुष्पे ४ कन्दके ४ लतादि ३ वैवृक्
 सप्तदशैकलेत्रपि । काङ्केना ३ ४ भाके ३ ४ पुनाग ४ कन्दकीतले ४ ॥ सरालिकाः
 यथीति ॥ जातीति देमने ३ ४ पिशागवत् ४ मल्लिकादि ३ ४ नन्वा ३ ४ वृद्धीवर्के ४ ॥ मिष्टी
 रिम्भ १ ४ ऊवा ४ ४ कनवी ३ ४ किंशुक ४ ॥ पालिजात ४ पातले ४ यक्षीनी ४ लोत्यन ३ ४ यि ॥ मा
 माधवी ४ रिम्भ ३ ४ वृक् ३ ४ य ३ ४ डिगया ४ पि ॥ अने ४ ४ यक्षक ३ ४ यक्षदा ३ ४ यक्ष ४ ४ स ४ क ४ ४
 अथ यत्कमे ३ ४ मे ३ ४ देवी ३ ४ साधक ३ ४ रुमः ॥ ४ ४ अथ विल्वपुर्णयथपीति ३ ४ न ३ ४ द ४ वावना

पृ ३

नन । गथनन्यत्किञ्चिदहि ॥ पुष्पावृषीति कानर्क ॥ अभा ४ ४ यक्ष ३ ४ ननदागवत् ३ ४ विल्वप
 पुष्पपुष्पक ॥ ॥ अथनेमिलिक ॥ यथप्रायूर्येव कलानादि ३ ४ यक्ष ४ ४ मासिकानय
 त । नागक ४ ४ नयूष्या ४ ४ अ ४ ४ वि ४ ४ मा ४ ४ च ४ ४ न ४ ॥ अया ३ ४ पु ४ ४ क ४ ४ रु ४ ४ य ४ ४ क ४ ४ न ४ ४ वी ४ न ४
 स ४ य ४ ४ च ४ म ४ का ४ त ४ ल ४ प ४ ४ द ४ ४ ना ४ ४ त ४ सी ४ ध ४ ४ ॥ वा ४ ४ क ४ ४ ल ४ ४ भा ४ ४ वि ४ ४ पु ४ ४ ष ४ ४ मा ४ सि ४ रा ४ द
 प ४ द ४ च ४ न ४ ४ ॥ त ४ यि ४ वि ४ ध ४ वि ४ ध ४ न ४ वा ४ व ४ धू ४ क ४ स्था ४ ध्वि ४ न ४ ४ ॥ अ ४ ग ४ क ४ सु ४ ४ मा ४ ना ४ दि ४ त ४
 वि ४ ना ४ का ४ कि ४ क ४ च ४ न ४ ॥ अ ४ धि ४ क ४ वि ४ ल्व ४ प ४ ना ४ ध ४ ॥ मा ४ ग ४ ३ ४ ध ४ स ४ दा ४ च ४ न ४ ॥ यो ४ ष ४ द ४ वा
 क ४ ना ४ ध ४ दि ४ सं ४ दा ४ रु ४ नि ४ रु ४ ले ४ पु ४ र्द ४ । क ४ न्द ४ ३ ४ रु ४ मा ४ मा ४ य ४ मा ४ सि ४ स ४ व ४ क ४ ल्या ४ ध ४ का ४ न ४ क ४ ॥

रुन्नु (धमाधवीपूषं सर्वसिद्धिविधायकं । चैवं ६॥ भक्तस्य कलिका कलिकाल
विनाशिनी ॥ मालतीयूथी कावेव दमनकं । कृन् ६॥ कृन्वक मल्ल
नं पाठलागथा ॥ नवमालिकार्कपूषं गथवे वागिमूक ॥ नुकाद (नो निसदा
कस्मानिव नानन ॥ दयानिऊगदं नाथे ननेनेमिऊका इवेन ॥
हानोवगन् ॥ चयकपूषस्य ॥ अद्य ॥ ननपूषक नधकेधवीपूऊनऊन्यपूष
भगगुधवृद्धि काम ॥ नुरि ॥ चम्यकपूषे ॥ शीगु ऊकालिकाधवीमहं पूऊ शिष्य
॥ चयस्थान ॥ ॥ ऊवापूषस्य ॥ अद्य पदवस्तुदिलो एव ऊरु ॥ ६॥ दयापम्

किं काम ॥ नुरि ऊवापूषे ॥ शीगु ऊकालिकाधवीमहं पूऊ शिष्य ॥ डिग हल
स्थान ॥ ॥ मालतीपूषस्य ॥ अद्य वागी भत्तसाफिकाम ॥ नुरि ॥ मालतीपूषे ॥ शीगु
ऊकालिकाधवीग्यादि ॥ ॥ ॥ ऊगिमपूषस्य ॥ अद्य महियालवसग
याफिकाम ॥ नुरि ऊगिमपूषे ॥ शीगु ऊ ॥ ॥ माधवडिलस्थान ॥ ॥ यथिकापूषस्य
॥ अद्य भं धरुलसाफिकाम ॥ नुरि यूरथिकापूषे ॥ शीगु ऊ ॥ ॥ डिथिस्थान ॥ ॥
नागकं नपूषस्य ॥ अद्य नृपत्वरुलसाफिकाम ॥ नुरि नोगकं नपूषे ॥ शीगु
ऊ ॥ ॥ त्रयस्थान ॥ ॥ चम्यकपूषस्य ॥ अद्य रुमलारुलसाफिकाम ॥ नुरि

४चम्यकपृथ्वी ४४णीगुच्छ ॥ ॥ चपस्तान ॥ ॥ माधवीपृथ्व्या ॥ ज्ञद्यमहीयातत्
रुलयाफिकाम ४४नरिर्मोधवीपृथ्वी ४४णीगुच्छ ॥ ॥ गुडिलस्तान ॥ ॥ अतिमृक
पृथ्व्या ॥ ज्ञद्यवृद्धिरुलयाफिकाम ४४नरि ४४जतिमृकपृथ्वी ४४णीगुच्छ ॥ ॥ माध
वीपृथ्व्या ॥ ॥ मल्लिकापृथ्व्या ॥ ज्ञद्यधनागमरुलयाफिकाम ४४नरिर्मल्लिका
पृथ्वी ४४णीगुच्छ ॥ ॥ चंपवनीस्तान ॥ ॥ कन्दपृथ्व्या ॥ ज्ञद्यकीर्तिरुलयाफिकाम
४४नरिर्कन्दपृथ्वी ४४णीगुच्छ ॥ ॥ द्राक्षलस्तान ॥ ॥ वन्धकपृथ्व्या ॥ चद्यवाध्व
विद्यरुलयाफिकाम ४४नरिर्वन्धकपृथ्वी ४४णीगुच्छ ॥ ॥ वध्वनस्तान ॥ ॥

ऊवापृथ्व्या ॥ ज्ञद्यषण्णकृत्तयरुलयाफिकाम ४४नरिर्ऊवापृथ्वी ४४णीगुच्छ ॥ ॥ डिह
श्वातस्तान ॥ ॥ पद्मपृथ्व्या ॥ ज्ञद्यजायवृद्धिरुलयाफिकाम ४४नरियद्मपृथ्वी
४४णीगुच्छ ॥ ॥ पलस्तान ॥ ॥ कृमदपृथ्व्या ॥ ज्ञद्यकवित्तरुलयाफिकाम ४४न
रिर्कृमदपृथ्वी ४४णीगुच्छकालिका ६ ॥ चवलस्तान ॥ ॥ कदम्बपृथ्व्या ॥ ज्ञद्य
वाघिनाथरुलयाफिकाम ४४नरिर्कदम्बपृथ्वी ४४णीगुच्छका १० ॥ कदम्बयाव ॥
॥ अमृतानपृथ्व्या ॥ ज्ञद्यवृद्धिरुलयाफिकाम ४४नरि ४४जन्तानपृथ्वी ४४णी
गुच्छका १० ॥ सवलस्तान ॥ ॥ मन्त्रकपृथ्व्या ॥ ज्ञद्यऊयरुलयाफिकाम ४४नरि

मेनुकपृथ्वी ११ गीगुद्रका १०॥

॥ कृन्धकपृथ्वी ॥ अद्यगङ्गलार

रुलयाफिकाम ११ नरि १ कृन्धकपृथ्वी ११ गीगुद्रका १० ॥ कोलेटस्थान ॥

अपनादिनापृथ्वी ॥ अद्यसवेद्रसुन्दनरुलयाफिकाम ११ नरि ११ अयत्रादिना

पृथ्वी ११ गीगुद्रका १० ॥ अरनाविस्थान ॥

॥ सरुलियापृथ्वी ॥ अद्यपूणलार

लयाफिकाम ११ नरि ११ सरुलियापृथ्वी ११ गीगुद्रका १० ॥ सनस्थान ॥ ॥ अरनाक

पृथ्वी ॥ अद्य ॥ अरनाक सरुलियाफिकाम ११ नरि ११ अरनाक पृथ्वी ११ गीगुद्रका १० ॥

अरनाकस्थान ॥

॥ वक्रलपृथ्वी ॥ अद्यकलमानरुलयाफिकाम ११ नरि ११ वक्र

लपृथ्वी ११ गीगुद्रका १० ॥ वक्रलस्थान ॥ ॥ द्रव्योपृथ्वी ॥ अद्यधनधन्यादि

रुलयाफिकाम ११ नरि ११ द्रव्योपृथ्वी ११ गीगुद्रका १० ॥ गुल्लु ॥ ॥ अरनाकलीपृथ्वी

॥ अद्य ॥ अरनाक सरुलयाफिकाम ११ नरि ११ अरनाकलीपृथ्वी ११ गीगुद्रका १० ॥ सिम

लव ॥ ॥ अद्यपृथ्वी ॥ अद्यअन्नलाररुलयाफिकाम ११ नरि ११ अद्यपृथ्वी ११

गुद्रका १० ॥ वृषागका ॥ ॥ वक्रपृथ्वी ॥ अद्यअनागमनागरुलयाफिकाम ११

नरि ११ वक्रपृथ्वी ११ गीगुद्रका १० ॥ वक्रकलव ॥ ॥ अद्यगपृथ्वी ॥ अद्यनाद्यला

रुलयाफिकाम ११ नरि ११ अद्यगपृथ्वी ११ गीगुद्रका १० ॥ लूयस्थान ॥ ॥ अद्य

कानपूषास्य॥अद्यवद्वन्निरुलयाफिकाम॥नरि॥कस्त्रिकानपूषो॥शीगुद्र
 का॥०॥वगुरुलव॥॥पठालपूषास्य॥अद्यदीद्योयुत्वरुलयाफिकाम॥नरि॥प
 ठालपूषो॥शीगुद्रका॥०॥॥गगनपूषास्य॥अद्यमान्यगरुलयाफि
 काम॥नरि॥गगनपूषो॥शीगुद्रका॥०॥गकेलाय॥॥पलासपूषास्य॥अद्यल
 डाधिकानरुलयाफिकाम॥नरि॥पलागपूषो॥शीगुद्रका॥०॥लाहाव॥॥
 मिनीषपूषास्य॥अद्ययमदाम्नीरुलयाफिकाम॥नरि॥मिनीषपूषो॥शीगुद्रका
 ॥०॥मलचामुव॥॥ऊयनीपूषास्य॥अद्यशिरुलयाफिकाम॥नरि॥ऊयनी

पूषो॥शीगुद्रका॥०॥लक्मीस्वान॥॥वित्पगस्य॥अद्यपनाअभिरुलयाफि
 काम॥नरि॥वित्पगपूषो॥शीगुद्रका॥०॥॥सिद्धिलक्मीचेभनदवरुल
 ॥॥अथनमिहिक॥वेधम॥अद्यवेधमसिन्नरिवेकलपूषो॥शीगु
 द्रकालिकादवीमरुंफूरयिष्य॥॥अथ॥अद्यअसुमासिन्नरिन्नोगकंठ
 नपूषो॥शीगुद्रका॥०॥॥जाषाट॥अद्यजाषाटमासिर्कनवीनपूषो॥शीगु
 द्रका॥०॥॥धमवद॥अद्यधमवदमासिन्नरिवेपकपूषो॥शीगुद्रका॥०॥
 ॥एसपद॥अद्यलदपदमासिन्नरि॥अधपूषो॥शीगुद्रका॥०॥॥

श्रुतिनी ॥ अथ ज्ञानिनी मासि न रिद्वेष्टकपृथो ॥ १० ॥ काफिका ॥
 अथ कार्त्तिक मासि न रि १ न गस्त्यपृथो ॥ ११ ॥ माग्जनिना ॥ अथ
 माग्जनिना मासि न रि १ विल्वपत्र ११ गीगुक्रका ॥ १० ॥ ॥ पोष ॥ अथ पोष मासि न
 रि १ द्वा कूलपृथो ११ गीगुक्रका ॥ १० ॥ ॥ माघ ॥ अथ माघ मासि न रि १ कल्याणरु
 लेयाफिकाम ११ न रि १ वन्दपृथो ११ गीगुक्रका ॥ १० ॥ ॥ हनुमद ॥ अथ हनुमद
 मासि न रि १ सिद्धिरुलयाफिकाम ११ न रि १ माघवीपृथो ११ गीगुक्रका ॥ १० ॥
 ॥ अथ मासि ॥ अथ वैश्व मासि कालिका लविनामिनी ॥ रुमेयाफिकाम ११ न रि १ ॥

अलमकपृथो ११ गीगुक्रका ॥ ॥ धर्मे रावचूजम ॥ दुरुच वृवायुको पद
 वस्तु रुलल ७ ॥ वस्तु रुलादिकं पापं दूषनस्य गिनिष्ठित ११ अथ नारायः
 मुमादात्म्य मया वक्तुं न क्षक्यते ॥ ध्वताया द्विगुणं पृथं दद्यात् न कृष्णय नाङ्गिना
 ॥ तथ ॥ अथ नाकृन्दमध्वगु क्लृप्तानमनारुनं ॥ रुयानिकुसुमं दवं स्वयम
 स्मि सखि दाहि व ११ तन्मध्वनद्युमादाय पृथमध्वगु च दनं ॥ न के कं क्रम ना
 गम्वा कृत्वा न गुणिवात्मकं ॥ आरुयन्त्रि वक्षस्म ११ न कसल वयन धिया ॥ क
 र्त्तुं विविच्यो गणव संचिन्त्य पत्रमध्वनी ॥ १२ ॥ पातद न कृत्वा न कं दुतपत्रम

[illegible]

ऊचयाफिमत्रवर्के॥ गङ्गाकं॥ गङ्गापृथ्वी॥ एवत्स
बोझसूदत्र॥ भस्मलिकायसुनत, प्रगलाह॥ पुद्गलानि॥ जल
कन, वक्रले॥ कलमान्यना। द्रव्याधन॥ धन्यानि, धर्मल्या॥ धनव॥ क्रिया॥
॥ दाधपृथ्वी॥ धनन्नाश, वक्रपृथ्वी॥ नागम॥ नागलाह॥ नालोग्य, कक्षिकाले
वेदनति॥ दीद्यौत्वपठालेन, तगत्र॥ सवेमान्यना। पलाशकसुद्धैवि,
गमद्रुयावरविकानक॥ निनीषपृथ्वी॥ यमदा, ऊयन्त्याचर्यं शिय॥ केन
वीनेर्मनुसिद्धि, चित्तिपण॥ उपजांगति॥ सात्यकां कामनायानु, भिनप्रथ

पुष्पस्य न । उच्चाटनवधीकात्र । पीनयवे त्रिधमं जथा ॥ गन्धपुष्पे विगम
 न । कर्कुर्यां त्रिगुणसदा ॥ मारुतं कामीनीलाह । पीतमवाह्यं मर्त । कृत्वा हि
 चात्र दृष्टान् । मात्र (धवा) सिगद्वयं ॥ अथ निषिद्धानि ॥ महाकालसंहिः
 गायां ॥ गुत्रधीति त्रया माले । धृक्त्रे सिधुवानकं ॥ अर्कयन्ने बोधकं भवः
 नेवदवीं यपूजयन् ॥ दवीमित्वेन यथ ॥ गत्य कात्र (धम) कृत्वा त ॥ सिद्धिल
 क्कस्त्रे तनयदवहर्ले ॥ अथ दक्षिणकाल्या ॥ कालीनक्तु ॥ नाना पः
 हात्रवलिहि । नानापुष्पे मनात्र मेः ॥ ज्ञापामागदलेन्ये । कुलधीवजित ॥

गुरे ॥ पूरुनीयासदाहक्का । नृधमणीर्षे कृत्वा फय ॥ नथ ॥ मृगं द्वे ॥ लयतला
 हिथे ॥ कृस्मेन द्वेयत्कुले ॥ विलेम्मेन वकाद्येभ्य । कुलधीवजिते ॥ मृगं ॥
 दाधपुष्पे त्रिगुणं । वरुपुष्पधमिगिर्गे ॥ ॥ मधुमाला नक्तु ॥ पुष्पन्य
 पिगधदाद्या । दुवाकृष्णसिगानिय । (ग्वग) पूर्वाजुडावापुष्प । कत्रवीनक्तध
 प्रिय ॥ गगनं मालगीडागी । मवन्तीश्रुथिकागध । धूम्र । गधमकवकुलः
 (ग्वग) कृष्णपनाडिगा ॥ वकपुष्पं म्विलेपय । र्वपकं नानागकं धनं । मल्लिका
 सिंठिका श्री । त्रकस्य त्रिहिर्गे ॥ अर्कपुष्पं काकनदं । वद्वेन श्रियेयसदा ॥

अष्टम्यांच विष्णुधनं गुणैरेव निकाशिका ॥ पद्मपुष्पाद्यनं कन, संतुष्टास
द्वेधवना। कृष्ण वायदिगुणा, कालिकावनेदाएवेन ॥ ४४ ॥ न धर्मः न धर्मः न धर्मः
व, गुणधूमावनीपना। वन्यपुष्पोऽथ विविधे, मुखाएव निसर्वेदा ॥ ज्ञास
लक्ष्मणपुष्पं धनं गुणैरेव निकाशिका ॥ ४५ ॥ सावित्री ॥
एवानीय, दुर्जयधवीं मनस्वती ॥ आद्येय कुलभीयते ॥ ४६ ॥ काम ४८ ॥ सि
द्यति ॥ ॥ अथ नीनसनस्वया ॥ गथोक्तं नीलनक्तं ॥ अष्टम्या ॥ अथ
दध्मं, पूरुयत्र पथाविधि। आरूपासिद्धिमवाप्नाति, ऊवाप्यं च वच्चेती ॥ च

दनं चार्कं कुसुमं दद्यात् स्वर्गाय नादिता, वधूकामालयातुं या रुध
कागपदानवग ॥ अथ दद्यात् पुत्तन, निगपूजासुसर्वेदा ॥ ४७ ॥ मे सुक्तं ॥
पुष्पां णसु न ककारं, वधूकं भगवत्तु कं। वच्चेनादि नयं च व, कलिका
नद्वयं गथ ॥ वकमन्दाजयूनाति, कनवीनादिभगवत्तु। सन्धि काशिनय
जाति, क्तोमपुष्पजयनिका ॥ विलेपनं कुलवकं मुनिपुष्पां च कं भजे।
वासनीदिनययेव, कामपुष्पां म नूवेकं ॥ दमनं चलवर्गं च, युगिभः
कालिका सुधा। सुगन्धि एव गलादिन्ये ॥ ४८ ॥ कुसुमं न च यत्कल ॥ ४९ ॥

कुलचिकित्सुर्गर्जेयं ॥

॥ अथ निषिद्धानि ॥ विभक्तिनत ॥ तुलना

मालगीवक्रं, प्रबोधदद्यात्सन्तभी ॥ कलत्रजमवपि ॥ वडंथनाले
तीपुष्पं, वडंथकुलणीदले ॥

॥ अथ द्वास्ताय ॥ वाभकं नक्तु ॥ म

न्यायं पात्रिजाने च, वृक्षमोलग्यदायकं । पीतजानसेधे कालं, विगमः
सुकुनं हिन । त्वद्वैतपुष्पांजानी च, कुन्दशी वृद्धिदायेकं ॥ वधूकं भाक
भोलग्यं, ऊवाच विप्रनायि ॥ उत्पलंधनवृद्धिं च, पद्मयोषि कभवत्
। पुन्नागं सर्वसंकिंये, वक्रकंधनहानिकं ॥ कक्षायां सिद्धिं च, केन

किञ्च विवडयन् । मद्रुथ निष्कृतं कुर्यात्, मलिकादृष्टवदायिका ॥ चम्य
केपुगकामनु, तिसन्ध्यादृष्टवभायका । दार्ढभाकमवाप्राकि, सवनि
सर्वसिद्धिदा ॥ मरुहलिकाद्रयकनी, कर्षिकावृद्धिदायिका । क्रमदयी
दंष्ट्रव, सुदधनं धनपुर्द ॥ कत्रुष्ठसिद्धिभोलग्यं, नीलदवांगुलानिकं ।
दमनं सर्वसंयर्हि, विल्वपत्रनायि ॥ निर्गन्धकटगन्धं च, वक्रथ
त्रुकपुडनं । कृष्णपत्राजितामृग्य, सुगमालीनं च ॥ महिकानाम
संज्ञाया, दृष्टवदामृग्यदासदा ॥ मरुह्याधियेदास्यव, केमयकश्चल

निकं। किमियुक्तमहातीति। जाऊदछुमरुहयं ॥ॐ॥ शैतनप्रस्यमहान्म
 स्मत्ताणीतिपुनर्यङ्गं ॥ ॥ अथमन्याप्रस्यस्य ॥ अथवेद्यमोराग्ररु
 त्प्राप्तिकाममनरिमेनानप्रस्य ॥ अथमहातिपुनसुन्दनीदेवीमरुं प्रकृतियिष्य ॥
 याविज्ञानप्रस्यस्य ॥ अथस्मरुनेरुत्प्राप्तिकाममनरि ॥ अथीरुमन्याप्रस्यविज्ञान
 प्रस्य ॥ अथमहातिपुनसुन्दनी ॥ ॥ याविज्ञानस्नान ॥ ॥ स्वर्क्षेत्रप्रस्यस्य ॥ अथअथीवृ
 द्धिरुत्प्राप्तिकाममनरि ॥ स्वर्क्षेत्रप्रस्य ॥ अथमहातिपुनसुन्दनी ॥ ॥ स्वर्क्षेत्रवृ ॥
 ज्ञानप्रस्यस्य ॥ अथअथीवृद्धिरुत्प्राप्तिकाममनरि ॥ अज्ञानप्रस्य ॥ अथमहातिपुनसुन्द
 नी ॥ ॥ त्रिलस्नान ॥ ॥ कन्दप्रस्यस्य ॥ अथअथीवृद्धिरुत्प्राप्तिकाममनरि ॥ कन्दप्र

स्य ॥ अथमहाति ॥ ॥ दाक्षलस्नान ॥ ॥ वंक्षकप्रस्यस्य ॥ अथभाद्ररुत्प्राप्तिकामम
 नरि ॥ वंक्षकप्रस्य ॥ अथमहाति ॥ ॥ वधूलस्नान ॥ ॥ अथवाप्रस्यस्य ॥ अथअथीवृ
 त्तियरुत्प्राप्तिकाममनरि ॥ अथवाप्रस्य ॥ अथमहाति ॥ ॥ अथमहाति ॥
 उत्पन्नप्रस्यस्य ॥ अथअथनवृद्धिरुत्प्राप्तिकाममनरि ॥ उत्पन्नप्रस्य ॥ अथमहाति ॥ ॥ उत्प
 नस्नान ॥ ॥ पद्मप्रस्यस्य ॥ अथअथीवृद्धिरुत्प्राप्तिकाममनरि ॥ पद्मप्रस्य ॥ अथमहाति ॥
 ॥ पलस्नान ॥ ॥ वक्रप्रस्यनिषिद्धं ॥ ॥ कक्षात्प्राप्तिकाममनरि ॥ कक्षात्प्राप्तिकाममनरि ॥
 काममनरि ॥ कक्षात्प्राप्तिकाममनरि ॥ ॥ कक्षात्प्राप्तिकाममनरि ॥ ॥ कक्षात्प्राप्तिकाममनरि ॥
 म्रकप्रस्यनिषिद्धं ॥ ॥ वम्यकप्रस्यस्य ॥ अथअथीवृद्धिरुत्प्राप्तिकाममनरि ॥ वम्यक

पुष्पे ४३ मल्लिपुत्रसुन्दरीदवीमहं पुरुषयिष्य ॥ चैयस्वान्न ॥ ॥ तिस्रस्य पृष
 स्य ॥ अद्य दृष्टमायनरुत्तयापि काम ४३ नरिषि सन्ध्यापुष्पे ४३ मल्लि ० ॥ तिस्र
 स्वान्न ॥ ॥ अद्य पुष्पस्य ॥ अद्य भाद्ररुत्तयापि काम ४३ नरि ४३ अद्य पुष्पे ४३ मल्लि ०
 ॥ वृषणका ॥ ॥ सवन्तीपुष्पस्य ॥ अद्य सवेसिद्धिरुत्तयापि काम ४३ नरि ४३ सवन्ती
 पुष्पे ४३ मल्लि ० ॥ ॥ सरुत्तिकापुष्पस्य ॥ अद्य रुत्तयापि का
 म ४३ नरि ४३ सल्लिकापुष्पे ४३ मल्लि ० ॥ ॥ मगस्वान्न ॥ ॥ कश्चिकानपुष्पस्य
 ॥ अद्य वृद्धिरुत्तयापि काम ४३ नरि कश्चिकानपुष्पे ४३ मल्लि ० ॥ वगहनवृ ॥

॥ ॥ सुदहनपुष्पस्य ॥ अद्य धनवृद्धिरुत्तयापि काम ४३ नरि सुदहनपुष्पे
 मल्लि ० ॥ ॥ कुरुदृष्टपुष्पस्य ॥ अद्य सिद्धिभाद्ररुत्तयापि
 काम ४३ नरि कुरुदृष्टपुष्पे ४३ मल्लि ० ॥ कालुटस्वान्न ॥ ॥ दमनपुष्पस्य ॥ अद्य
 सवेसं पण्डिरुत्तयापि मका ४३ नरि दमनपुष्पे ४३ मल्लि ० ॥ धवनस्वान्न ॥
 निलदवापुष्पनिबिद्धं ॥ ॥ विल्वपुष्पस्य ॥ अद्य पत्रमयिरुत्तयापि का
 म ४३ नरि विल्वपुष्प ४३ मल्लि ० ॥ निग्न ॥ अत्कटपुष्पं वृद्धयन् ॥
 कृष्णङ्गनापुष्पं मृग्यरुत्तं ॥ ॥ सुगमालीपुष्पं मृग्यरुत्तं ॥ ॥ अतिपुष्पं
 पत्रा ॥

बाधिरुलं ॥ ॥ कंठायुकप्रस्थं हानिरुलं ॥ ॥ किमियुकप्रस्थं महारुणि
नाउदधुचरुलं ॥ ॥ ह्लानाधुमधुव ॥ ऊवापृथोमरुभनि, पूर्ववत्पृथुय
क्रिवां। मासमाशेनरुह्यव, पातकंठान्मकं ॥ सोलग्नवागुरुवन्मन्की, वि
ग्राया ॥ यमादन ॥ ॥ एवगपृथोमरुभनि, मरुकि ॥ ॥ पृथुयन्त ॥ ॥ नाहायः
त्यातकं सर्वे, मासमाखं पृथुयन् ॥ ॥ शिलाकं वगंगं स्या, सर्वेपापं दह ॥ ॥ ४
॥ विल्वयने ॥ ॥ ४ सग्नभ्यपयि पृथुयन् ॥ ॥ पूर्ववत्पत्रमभनि, मासमा
नंयसन्नाधि ॥ ॥ समृद्धिवात् एवमन्की, सर्वेपापं रुत्रसदा। मल्लिकामालनी

जानी, कृष्णभ्यहातपत्रके ॥ ॥ एवभात्यलसुणीने ॥ ॥ पूर्ववत्पत्रमसमाठं कं।
कृत्वाचात्रकमलेव, पातकंठान्मकं ॥ ॥ वक्ररुणादिऊनिगं, नागायन्नाः
नुसंहाय ॥ ॥ मुक्तिस्तुसाकत्रदवी, वाचाजीवसभा एवन् ॥ ॥ जगल्लयाधवन्ध
क, ऊवात्रकात्पले ॥ ॥ ४ यिय ॥ ॥ पूर्वकृष्णभधसंपृथु, मासमकं पसन्तधी ॥ ॥
पातकं नागायमन्की, साक्रात्कामसभा एवन्। चम्यके ॥ ॥ पातलेद्वि, वक्रलेन्ना
गकंठाने ॥ ॥ वक्रले ॥ ॥ सिन्दुवात्रे ॥ ॥ पूर्ववत्पत्रमन्की, मासमागुलं न
स्य, मासमाशेनजायन् ॥ ॥ पापं विनागायद्वि, यदिजन्मसहस्रकं ॥ ॥

अथ निषिद्धानि ॥ गणेशपुष्प ४ पयःपिनेदविना चैथस्वधुकेन विनिर्मात्या
 रणे ४ कुसुमे त्रिकुम्भे ४ पत्रमभ्वनि ॥ वाजालीगन्ध ॥ पलाशकाशकस
 मेना चैथद्वेन गन्धार्जुन ॥ धनीगमालकी ४ पत्रे ४ तुलसीदिगथे सुधा ॥ पूजना
 त्यागकी वत्स्या ॥ दिव्यस्यापिरुप्रक्रियं ॥ गिपुत्रा पूजनवद्वा ॥ तुलसिचैदावध ४ तु
 लसीद्याधमाशुध ॥ कूटो एव निरुन्दी ॥ कोलालविय ॥ एनवीसुन्दरी गानाव
 क्रविष्णुविषसुता ॥ तुलसीवर्जिता पूजा ॥ साष्टमा विरुला एव न ॥ अंग एव
 वीसुन्दरी गाना पसंगवक्रविष्णुविवना पूजा ॥ तुलसीवर्जिता जपि रुला

सरुगार्थ ४ ॥ नेरुकवलवक्रविष्णुदिपूजन ॥ गन्धसानस्यनसाश्च वं ॥ तुल
 सीनिषिधकुदिवावीनपिनि ॥ गाना एकसुधाधुव ॥ त्रिचिन्म ॥ दिवावीनथानवनि
 सिद्धयनिपादकं वचनारवात् ॥ ॥ अथपुष्पनरुसां नरुसा कल्लिनी
 ॥ अंग ४ पुष्पश्चमसत्मा ॥ क्षधमार्गवदामाहं ॥ यद्वात्साधक ४ सिद्धिलेखनं नम
 धाय ४ वम्यकस्यपदानन ॥ प्रपवानुमु एवम ॥ एवम ॥ पुन्नागपुष्पदानन ॥ कुनध
 क्रिरेवमदा ॥ कनगस्यपदानन ॥ स्वर्धुवक्रविध एवम ॥ गन्धार्जुनाशयनं ध्रुवं ॥
 स्वर्धुवक्रविध एवम २

पायि जाग पायि एय दाननाय ४ यवर्द्धन ॥ कृत्य प्रथय दथन काममा ध्यानि वैक
 वं । जर्जरी मातु गी कृत्तुं ह्यणी यक्तु यानि मातु ४ ॥ का किलो कृत्य दथन अकाले
 मातु धंरुग । डोड प्रथय दानन नुष्यन पत्रम ह्यनी ॥ यथ अगमदि वलिना नः
 अगु यानि निचिर्न । कत्रवी प्रथय दानन नुष्यन पत्रम ह्यनी ॥ यनि प्रथय दानन
 नुष्यन आकृति तानि भामसु ॥ ल एन वास्त्रि नाकामा तास्त्रि सिद्धि भ्यल एन ॥ ला
 हिना या पत्रकावा कत्रवी नमु सिद्धि द ४ वन्धु कस्य प्रदानन पट्ट वरु वल एन
 अर्पु डि ना मा हात्मा नैव भक्तं वदी मरुं ॥ अर्पु डि ना या नु न्या सिद्धि वा ४ न विद्यन
 नो ॥

॥ अर्पु या डि ना या ४ प (धु) स्त्रि ना यूर्ध्व धनं समा ॥ ध्यानि त्रयं गु सा सिद्धि ॥ नो भा ॥
 निज्जे कणी णि वा । कत्रवी प्रथय दानन नुष्यन पत्रम ह्यनी ॥ यनि प्रथय दानन
 ॥ विल्व पत्रं धसंप्रकृ मधुसम्भवनं गोलं ग ॥ नीला त्यले ४ सर्व कामान् क्रमं द
 ४ कामदा एव न । सर्वेषु पि च प्रथय प्र यला ह्यं धा प्रथय न ॥ जलभक्त ४ ॥
 कुरु धा ; दवा ४ पीति कत्रवी प्रथय न नमस्कृत्य दथन नुष्यन पत्रम ह्यनी ॥
 ॥ य कलो सिद्धि दा वत्स गान् वक्त्रं गृध्र गत्व ग ॥ वक्र ना वक्र ना कन सर्व भक्ति
 प्रय कुरुं ॥ गत्य वक्त्रं समासन विष्णु ला कषु दत्तं ॥ विना भक्तिं न भक्ति ४ न्या

नो वा वा किं ४ पु सी दति ॥ तस्या चू क्सा त्वि गं ग कं ४ पू डां क्शो द्वि व ४ कृ द ४ म
त्रय न चिषय न पुष्यो सितु धा न्मथा रुवे न ॥ जू हिं सा प न मं य ष्यं पुष्य मिन्द्रिय
निगु र्हे । दया पुष्यं धर्म धर्म पुष्यो क्लान पुष्यं य प शुर्म ॥ क म्नु नी कं कं मं च व, क
पू रं क म लं क लं । क का न यं व कं च व, द व नायी ति का न कं ॥ छं गि न रु स्य क
ह्मालि नां पुष्य न रु स्य ॥ च म्य क पुष्य स्य ॥ जू द्य स्र धु व द रु ल या पि का
म ४ न रि ४ च म्य क पुष्य ४ षी ति पु न स्र न्द नी द वी म रुं य रु यिष्य ॥
न ॥ ॥ ना ग क ष न पुष्य स्य ॥ जू द्य नू प व न भ्य रु रु ल

नो ग क ष न पुष्य ४ षी ति ० ॥ ॥ पू न्ता ग पुष्य स्य ॥ जू द्य द न
कि काम ४ न रि पु न्ता ग पुष्य ४ षी ति ० ॥ ॥ क ष न पुष्य स्य
ना ग रु ल या कि काम ४ न रि ४ क ष न पुष्य ४ षी ति ० ॥ क ष न नी ॥ ॥ या नि
जा न पुष्य स्य ॥ जू द्य नू य वृ द्धि रु ल या कि काम ४ न रि यो नि जा न पुष्य ४ षी
ति पु न स्र न्द नी द वी म रुं य रु यिष्य ॥ व क सि व ॥ ॥ पा नि रु द्र पुष्य स्य ॥
आ यु वृ द्धि रु लं ॥ नि प व ॥ ॥ कृ न्द पुष्य स्य ॥ स र्वे का म रु लं ॥ द्वा रु न स्यो ॥
जा नि पुष्य स्य ॥ जू द्य ष्ठी ष्व नी सं गा ष रु ल या पि काम ४ न रि जी ति पुष्य ४ षी

हंसधृङनयुक्तं विमाननसगच्छति ॥ ॥ आभिन्नायस्यमासस्य ॥ अर्कः
 पृथगुयाद्येयत् ॥ मय्यधृङनयुक्तं विमाननसगच्छति ॥ ॥ कारिकं
 खगुमासस्य, समन्ती अक्षतापरात् ॥ अथर्कं निपद्यते मिर्वयन्निनि
 स्तेनं ॥ मर्कहृत् ॥ ॥ माग्जमीवस्यमासस्य चकनाद्येयत् ॥ सगच्छति
 मत्तिकमा, हम्फा हं मयगच्छति ॥ ॥ योवस्यगुमासस्य ॥ अर्कः ॥ धर्मथाद्ये
 यत् ॥ पुष्पनसामयादौ, लेहमयमपदं ॥ ॥ माय्येवगु
 विलेचय्युत् ॥ तालाकं अभियुक्तं विमाननसगच्छति

पञ्चाङ्गुलि कादयो नमः
मियरु लिङ्गन ॥ इमं
धनं ध्याय ॥ ॥
गमको मालि ॥ क
काप्तादिन वाय ॥ युजा
जयमानन सुधाधियाय ॥
युष्मत्काजननस्कनयात्रक
॥ न्यासाद्ययात्र युजा ॥ धृयः
दीयजाय ॥ भाग ॥ सकृद
कावाय ॥ ॐ मिहिलकर्म
विद्विहना ॥ ॥ ॥

तमासीकिया मानका कलस
वाय ॥ यरु यरु लीः श्रीलः
श्री ॥ नागयो ॥ स (गो) ॥ (म)
योस ॥ वलिग्वरुजा ॥ अनि
ली ॥ शिदोय ॥ रुनिदी ॥ सम
सुमानकावाय ॥ वन्दनमि
दुन ऊजमका मान कुरु
नयय सूर्यादिवाय ॥ ॥

तमायजमानन कुरुनया

दाद्ययात्रक ॥ अयादि
याद्य ॥ ॐ मादुध
नि ॥ ॐ मिहिल
कमावाययिदि

तमायात्रायनि सुधाधिया
युजा रुदिद्राय ॥ सिद्धिल
मुक्ति आलभति ॥ यजमा
नजाययक ॥ आवायत्वं
कायात्र ॥ यन प्रयादि ॥ सु
याद्यकृत्वा ॥ सुननमस्का
न ॥ न्यासाद्ययात्र युजा ॥ व
निनाय ॥ जलयात्र युजा ॥
ॐ श्री जलयात्र युजा ॥
ॐ श्री काददयादि यज
युजा ॥ ॐ मि ॥ ॥
अथ अद्ययात्र युजा ॥ ॥
ॐ श्री अद्ययात्र युजा ॥
मि ॥ अथा नामनेदा ॥
ॐ श्री यादददि यज
जा ॥ रुमसिद्धि आत्म ॥ ॥
अथ अद्ययात्र युजा ॥ ॥

[illegible]

गायत्री वलि गृह २ स्था
 नें ११ दी ११ कृपया न
 लि गृह २ स्था दा ॥ ॥ ॥
 दि ॥ नें ११ दूं सर्व विद्य
 सर्व हर्ष स्था वलि गृह २ स्था
 दा ॥ दूय न निरु म नाथ
 व अरु नातु विमं स्मिता
 ४। या नाल स स्मिता थ व
 गृह नु ०० मा वलि ॥ धूय
 दीय ॥ जाय ॥ स्मा ॥ ॥ रु
 ता ॥ थ नाथि ॥ ॥ वा ग दीय
 टि व रु कामा रु का था वि
 नी रि ॥ रु का ॥ ॥ रु ना रु से
 ध स क ल य लि का ला रि
 ध द थ ध ना गो ॥ ॥ य रु ॥ ॥
 रु र्ण ध ना थ ॥ ॥ य व न स रु
 ग ना ॥ ला क या ला गा ले ॥ ॥
 १ स यी वा थ ॥ स म रु ॥ स रु
 व लि वि वि धे थ रु ॥ ॥ नि
 रु नि रु ॥ ॥ अ रु ग धा दि ॥ ॥
 रु म रु ॥ ॥ व लि वि स रु नी ॥

यावाक्याववलिमः
वथानसक्या॥ॐ
निलिदिदि॥

ममाय प्रगवासाधनं ॥ गुण
 नमस्कनादि ॥ नैऋत्यं कृत्वा
 ये कलदीयाय ॥ श्रीयुव
 वक्राय यायुः ॥ युव ॥ नैऋः
 धानप्रधानप्रधानामस्वी
 उर्ध्वनवक्राय यायुः ॥ दक्षि
 ण ॥ नैऋः कं श्रीमदुक्तानिका
 ये यस्मिन् वक्राय यायुः ॥ उर्ध्व
 न ॥ नैऋः किं वि२ विज्ञं का क
 नाय यायुः ॥ यस्मिन् ॥ नैऋः
 ॥ द्वा ॥ नि ॥ श्री ॥ यायुः ॥ मः
 (५) ॥ म ॥ ॥ नैऋः ॥ नि
 वा ॥ य ॥ ॥ यायुः ॥ ॥
 आ ॥ म ॥ म ॥ म ॥ य ॥ लि ॥ ॥
 य ॥ उ ॥ ॥ व ॥ की ॥ मि ॥ न ॥ य ॥ ॥
 म ॥ य ॥ की ॥ ॥ य ॥ व ॥ नि ॥ ॥ म ॥ य ॥ ॥
 य ॥ जा ॥ या ॥ दा ॥ क ॥ ॥ न ॥ द ॥ थ ॥ म ॥
 द ॥ द ॥ य ॥ ॥ म ॥ ल ॥ म ॥ ल ॥ ॥ वा ॥ ॥

उं ऊं औं हूं झूं ञूं मूं याय
 ॥ जाय ॥ ॥ साय ॥ ॥
 निर्मलकालवृक्ष ॥ याय
 वृक्षज्ञानयत्ररुने । सधर्म
 यायमं ऊं व ऊं यल वृक्ष
 वृक्षि ॥ ॥ ययग वृक्षनवि
 धियनियूषुसमु ॥ अऊमः
 आदि ॥ उरुगम ॥ दव ॥ अ
 मि ॥ ऊयमानयार्ग ॥ सकल
 यार्गविय ॥ ॥ ॥

	दक्षि	जव
॥	की	वृत्त
	॥	

अथ गमयति गयूजा ॥ नै
 जा हयादि ॥ स्नान ॥ यश्च ग
 य स्नान ॥ वन्दन ॥ सिद्धन ॥
 उज्जमका ॥ अद्वाल ॥ धृय
 दीय ॥ अद्यानमकुवयूजा
 ॥ यगिष्टा ॥ गायदास ॥ जाय
 ॥ अथ ॥ उन्नमः शिवायद्या
 दि ॥ ॥ अथ यजमानया

गय अग यविय ॥ जां आन
 गलाय साहा ॥ जां विद्या गला
 य साहा ॥ कुं गिव न लाय सा
 हा ॥ नासि चक ॥ यय वाव
 क न च्छा य ॥ ॐ गिय अग
 य साधन विधि ॥ ॥

अथ द वरु यन रु मो दया
 वा यन क म्मा चन ॥ ॥

गमा य ह म लु य व या व ॥ ना
 सिय ॥ य र्था य ॥ गु न न म स
 व ॥ ना सा र्थ या य य जा आ
 ल य जा ॥ ना दि कु कि क थि
 ला ॥ उपयुक्तमन क म्मा न र व अ य जा ला य
नो न म नु य म्मा

अथ न व दि ग र रु व लि वि
 य विधि ॥ ना सा र्थ या य य जा

०	०	०
०	०	०
०	०	०

 उं न्द्रुं द्रुं द्रुं र्ग
 ध्वन य न म रु
 न्द्रुं द्रुं द्रुं र्ग
 ध्वन य न म रु

उं न्द्रुं ॐ उ दी य व लि ग रु २
 सा ॐ हा ॥ १ ॥ उं न्द्रुं द्रुं
 द्रुं म हा र्ग न ध्वन य न म रु
 न्द्रुं ॐ द ग न्ध ध्वन य दी य व लि
 ग रु २ सा हा ॥ उं न्द्रुं न्द्रुं क म्मा
 दी या य व लि ग रु २ सा हा ॥
 ॥ २ ॥ उं न्द्रुं द्रुं द्रुं म हा न दि
 रु न ध्वन य न म रु न्द्रुं ॐ
 द ग न्ध ध्वन य दी य व लि ग रु २
 सा हा ॥ उं न्द्रुं न्द्रुं न्द्रुं म दी या
 य व लि ग रु २ सा हा ॥
 ३ ॥ उं न्द्रुं द्रुं द्रुं म हा ना
 द या ॥ उं न्द्रुं ध्वन य न म रु न्द्रुं
 ॐ मां ग न्ध ध्वन य दी य व लि
 ग रु २ सा हा ॥ उं न्द्रुं न्द्रुं ग
 उ मि दी य व लि ग रु २ सा
 हा ॥ ४ ॥ उं न्द्रुं द्रुं द्रुं ल
 क ध्वन य न म रु न्द्रुं ॐ द
 ध्वन य दी य व लि ग रु २ सा हा
 ॥ उं न्द्रुं न्द्रुं न्द्रुं ना ग दी य व लि ग
 रु २ सा हा ॥ उं न्द्रुं द्रुं द्रुं
 विज य ध्वन य न म रु न्द्रुं ॐ
 द ग न्ध ध्वन य दी य व लि ग रु २

[illegible]

नमो विष्णु जा ॥ दक्षिणम ॥ श्री
 दि। उं ॥ श्री ॥ भक्ति काय श्री क
 डि काय ॥ मुं ॥ जेय या य ॥
 उरु नम ॥ श्री ॥ नो जा ॥ उं ॥ श्री
 यष्टि काय श्री क डि के ॥
 नी या य ॥ ॥ म ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ उं ॥ श्री ॥ कं य न व ॥
 या य ॥ ॥ श्री ॥ विदि न ॥
 उ न ॥ म ॥ श्री ॥ य ना जि गो
 का रु म ॥ द वी रु न ॥
 अ मु ण क य न ॥ उं ॥ कि लि २
 वि च्च का क ना य ॥ अ मु ण य
 रु ॥ ना य द न ॥ म य गी न
 ॥ उं ॥ क डि का य वि द द ॥
 दि ॥ अ द्या म नु ण य ॥ ग वी न
 उं ॥ कि लि २ वि च्च का क ना य
 ॥ अ मु ण य रु ॥ न रु न य
 य ॥ मू ल क ल म ॥ ॥ श्री ॥
 म नी या दि ॥ मि व ॥ ॥
 ना द न ॥ ॥ गि वि य ॥ ॥

जम्भवास्तुयुक्ता नैव वा यौव
न (६) वास्तुयुक्ता यययययय

॥ मूलकनमंत्रियनिगिनत्र
लासनयुजा ॥ नं ॥ मों श्रीं यं यं
मों यं ॥ श्रीं ॥ शक्तिमूर्तययोरु
ट ॥ द ॥ श्रीं ॥ वी यं ॥ नं ॥ जा
को ॥ द ॥ श्रीं ॥ ज ॥ द ॥ श्रीं ॥ निवमूर्त
यं यं यं यं यं ॥ श्रीं ॥ द व यं
युजा ॥ ॐ निलि ॥ श्रीं ॥ व ॥ शक्तिः
वलासन ॥ ॥ ॥

तमा दानेयुजा ॥ न्यासादिम
र्चयायुजा ॥ पूर्वदालयुजा
॥ नं ॥ उ ॥ द ॥ म ॥ न ॥ रु ॥ का ॥ य ॥ या ॥ यु ॥
॥ नं ॥ श ॥ नि ॥ द ॥ ना ॥ य ॥ या ॥ यु ॥ ॥ नं ॥
॥ यों ॥ व ॥ द ॥ य ॥ या ॥ यु ॥ ॥ नं ॥ द ॥
॥ म ॥ र्था ॥ य ॥ या ॥ यु ॥ ॥ नं ॥ ज ॥ ज ॥ शि
॥ ना ॥ रु ॥ ने ॥ न ॥ वा ॥ य ॥ या ॥ यु ॥ ॥ नं ॥ ज
॥ व ॥ म ॥ म ॥ ती ॥ या ॥ यु ॥ ॥ नं ॥ ल ॥ ली ॥ ली
॥ नं ॥ ॐ ॥ ड ॥ य ॥ या ॥ यु ॥ ॥ व ॥ द ॥ ना
॥ श्रीं ॥ दि ॥ ॥ व ॥ लि ॥ वि ॥ य ॥ ॥ नं ॥ द ॥
॥ श्रीं ॥ श्रीं ॥ पूर्वदिग्भासि ॥
॥ श्रीं ॥ श्रीं ॥ व ॥ लि ॥ गृ ॥ द ॥ ॥ ॥
॥ द ॥ ॥ श्रीं ॥ जा ॥ य ॥ म ॥ ॥ य ॥ नि ॥ यं

॥ ॐ नि पूर्व दानयुजा ॥ कन ॥

अथ दक्षिण दानयुजा ॥ नं ॥ व
ट ॥ रु ॥ का ॥ य ॥ या ॥ यु ॥ ॥ नं ॥ वि ॥ द ॥
॥ ना ॥ य ॥ या ॥ यु ॥ ॥ नं ॥ को ॥ को ॥ कुं ॥ ज
॥ म ॥ ना ॥ य ॥ या ॥ यु ॥ ॥ नं ॥ ॐ ॥ उ ॥ म ॥ ग
॥ य ॥ या ॥ यु ॥ ॥ नं ॥ व ॥ व ॥ रु ॥ ने ॥ व ॥
॥ य ॥ या ॥ यु ॥ ॥ नं ॥ व ॥ को ॥ मा ॥ नी ॥ य
॥ यु ॥ ॥ नं ॥ श्रीं ॥ श्रीं ॥ म ॥ म ॥ य ॥ मा ॥ य ॥ या
॥ यु ॥ ॥ व ॥ द ॥ ना ॥ दि ॥ ॥ श्रीं ॥ व ॥ लि ॥ ॥ नं ॥
॥ द ॥ क्षि ॥ ण ॥ दि ॥ ग्भा ॥ सि ॥ द ॥ व ॥ लि ॥ गृ
॥ द ॥ ॥ स्वा ॥ दा ॥ था ॥ जा ॥ य ॥ म ॥ ॥ म ॥ रु
॥ वी ॥ र्था ॥ म ॥ रु ॥ का ॥ य ॥ रि ॥ न ॥ जि ॥ ने
॥ म ॥ म ॥ ॥ य ॥ रु ॥ ॥ न ॥ रु ॥ द ॥ ने ॥ सि ॥ तां ॥ मे
॥ ल ॥ क ॥ ला ॥ ती ॥ ल ॥ सु ॥ म ॥ ॥ रु ॥ ने ॥ ॥ अ
॥ रु ॥ ग ॥ आ ॥ दि ॥ ॥ ॐ ॥ नि ॥ द ॥ क्षि ॥ ण ॥ ॥ आ

तमा यन्त्रिम दानयुजा ॥ न्या
स ॥ नं ॥ नि ॥ म्ब ॥ रु ॥ का ॥ य ॥ या ॥ यु ॥
॥ नं ॥ नि ॥ र ॥ वि ॥ रि ॥ द ॥ ना ॥ य ॥ या
॥ यु ॥ ॥ नं ॥ रु ॥ रु ॥ म्ब ॥ य ॥ या ॥ यु
॥ ॥ नं ॥ रु ॥ रु ॥ का ॥ य ॥ या ॥ यु ॥ ॥ नं ॥

उन्नरुं ववाययायुः ॥ नं ॥
 गीवा नादीयायुः ॥ नं ॥ वौवौ
 वुं वौ वनदाययायुः ॥ चः
 नद्वौ द्वादि ॥ वलि ॥ नं ॥ य
 म्धि ॥ मदिग्मसिखावलि
 गृह २ स्वाहा ॥ धृय दीया
 ऊयभुः ॥ यमिष्टा ॥ उं ना
 गयासात्मकानिष्टीजलन
 आमदावल ॥ निमग ॥ स्थे
 वविद्यामानागनाऊनमा
 मुक ॥ अगुगधादि ॥ रूति
 यमिमदानयुजा ॥ कनस ॥

अथ उरुलदानयुजा ॥ न्या
 स ॥ नं ॥ अथ उरुलदानयुजा
 युः ॥ नं ॥ यमिष्टा दानायया
 युः ॥ नं ॥ निमगनाययायु
 ॥ नं ॥ नादवयायुः ॥ नं ॥ य
 रीयदाययायुः ॥ नं ॥ यी
 वामधुमयायुः ॥ नं ॥ यामी
 मुं मी कुवनाययायुः ॥ वद
 नोवुं दि ॥ वलि ॥ नं ॥ उरुन

दिग्मसिखावलिगृह २ स्वाहा
 ॥ धृय दीया ॥ ऊय ॥ यमिष्टा ॥
 म्धि ॥ उं नरुगधावेवमव
 यां यरुनाऊयकीरिगाग
 दायाविधनादवाकवना
 अनमासुत ॥ अगुगधादि ॥
 रूति उरुनदानकनसयु
 जा ॥ ॥ ॥

गताज्जाययकललयुजा ॥
 न्यास ॥ नं ॥ कालरुकाययाः
 युः ॥ नं ॥ कननरुं ववाय
 यायुः ॥ नं ॥ ऊमादस्थनी
 यायुः ॥ नं ॥ नांनीनुनात
 जाधियनययायुः ॥ वुं व
 दनादि ॥ वलि ॥ नं ॥ जाम
 यदिग्मसिखावलिगृह २
 स्वाहा ॥ धृय दीया ॥ यमिः
 ष्टा ॥ जाय ॥ म्धि ॥ उं मरुत
 ऊमयंदवा नकव ॥ यमिष्टा
 युति ॥ द्वागासनगकिदम
 अमिदवनमा ॥ मुक ॥ अगु

गन्धदि॥ॐ मित्रा॥प्रकल॥

गन्धानेमृत्तकलसयूजा॥
आस॥ने॥कदम्बकृत्तकयः
यायू॥ने॥कदम्बकृत्तकयः
ययायू॥ने॥कदम्बकृत्तकयः
यायू॥ने॥कदम्बकृत्तकयः
नेमृत्तकययायू॥ने॥कदम्ब
नादि॥वलि॥ने॥नेमृ
त्तकदिम्बमिश्रावलिगृह
स्वाहा॥धृ॥दीय॥ऊ॥य॥
स्वाहा॥ॐ सर्वथाधियः
वनेमृत्तानीलवीयहा॥
यव॥कदम्बकृत्तकवीना॥नाक
मायनमा॥स्वाहा॥ॐ गन्ध
दि॥यमिष्टा॥ॐ मित्रेमृ
त्तकलसयूजाविधि॥ ॥

जयवायवकलसयूजा॥
आस॥ने॥कदम्बकृत्तकयः
यायू॥ने॥कदम्बकृत्तकयः

वायवायू॥ने॥दी॥ॐ वाय
दीवायू॥ने॥दी॥ॐ वाय
यवनाधियमययायू॥ने॥
वन्दनादि॥वलि॥ने॥वा
ययादिम्बमिश्रावलिगृह
स्वाहा॥धृ॥दीय॥ऊ॥य॥
य॥स्वाहा॥यमिष्टा॥ॐ सर्व
थाधियमक॥स्वाहा॥सर्वथा
यदवना॥धृ॥कदम्बकृत्तकः
या॥वायवदवनमा॥स्वाहा
॥ॐ गन्धदि॥ॐ मित्रा॥
वन्दनालकलसयूजा॥ ॥

गन्धानेमृत्तकलसयूजा॥
आस॥ने॥कदम्बकृत्तकयः
यायू॥ने॥कदम्बकृत्तकयः
यायू॥ने॥कदम्बकृत्तकयः
नेमृत्तकययायू॥ने॥कदम्ब
नादि॥वलि॥ने॥नेमृ
त्तकदिम्बमिश्रावलिगृह
स्वाहा॥धृ॥दीय॥ऊ॥य॥
य॥स्वाहा॥यमिष्टा॥ॐ सर्व
थाधियमक॥स्वाहा॥सर्वथा
यदवना॥धृ॥कदम्बकृत्तकः
या॥वायवदवनमा॥स्वाहा
॥ॐ गन्धदि॥ॐ मित्रा॥
वन्दनालकलसयूजा॥ ॥

नामनामग ४। ४। लयाविधः
नादवा ॥ ॐ ॥ नाना यनमा ॥
सुभ ॥ अगुग ॥ धादि ॥ ॐ ॥ निः
ॐ ॥ नाना कलस दानयूजा ॥

मूथमृद्व कलस ॥ न्यास ॥ नं
॥ विशिष्ट निरुकाय यायू ॥
नं ॥ ॐ ॥ सवैया नासा धियेन
येयायू ॥ च दनादि ॥ वलि
॥ ॐ ॥ अर्द्धदिग्मा सिखा वलि
गृह २ स्वाहा ॥ धूय ॥ दीया ॥
युगिष्ठा ॥ अय ॥ सुग ॥ उंय
नग ॥ धियगिद वं अननं
नामविधं ॥ यागानवस
ननिर्वा अनकायनमा ॥ सु
न ॥ अगुग ॥ धादि ॥ ॐ ॥ निः
ॐ ॥ कलस दानयूजा ॥ ॥

ननाउर्द्ध कलसयूजा ॥ न्या
स ॥ नं ॥ या निजो नरु काय
यायू ॥ नं ॥ ॐ ॥ सवैया
येयायू ॥ च दनादि ॥ च

नि ॥ नं ॥ उर्द्धदिग्मा सिखा वलि
गृह २ स्वाहा ॥ धूय ॥ दीया ॥
येजा ॥ युगिष्ठा ॥ सुग ॥ उंय
प्रथानिचयमुक्तिमृद्विष्ठा
ननिवासिनं ॥ धृष्टि करुमि
कानिर्वा तस्येव दानमा ॥ सु
न ॥ अगुग ॥ धादि ॥ ॐ ॥ निः
कनेमयूजा ॥ ॥ ॥

ननाम ॥ सवैया ॥ न्या
स ॥ नं ॥ ॐ ॥ यायू ॥ अ
ययायू ॥ सवैया ॥ न
खनका ॥ ॐ ॥ ययुमिस
॥ नकाययययय ॥ यय
सुगकासन ॥ यययययय
यययययय ॥ ॐ ॥ निः
जाविधि ॥ ॥ ॥ ॥

अथमिवहाकि कलसययम
नयाय ॥ सवैया ॥ न
यक ॥ ॐ ॥ निः
निवकयाव ॥ कलसद्व
नजावाययययययय

ॐ तिग (व) कलसयूजा ॥ ॥

अथ गुनयूजा ॥ नैऋतं वां वीं वृः
गुनमूर्क ययायू ॥ ॐ तिगु
कलसयूजा ॥ ॥ ॥

तमा आगिनिकलसयूजा ॥
नैऋतं वां वीं वृः मिनी र्या य
यायू ॥ ॐ ति आगिनियूजा ॥

अथ भानिकलसयूजा ॥ नैऋतं
वां वीं भानिका ययायू ॥ ॐ ति
भानिकल
सयूजा विधि ॥

तमा यष्टिकलसयूजा ॥ नैऋतं
वां वीं यष्टिका ययायू ॥ ॐ ति
यष्टिक
कलसयूजा ॥ ॥

अथ अष्टकलसयूजा ॥ नैऋतं
वां वीं अष्टकलसयूजा ॥ ॐ ति
अष्टकल
सयूजा ॥ ॥ ॥

तमा उवा दिकलसयूजा ॥ नैऋतं
वां वीं उवा दिकलसयूजा ॥ ॐ ति
उवा दिक
कलसयूजा ॥ ॥

अथ कर्ममल्लुला चर्चल्लुलि
लि ॥ दत्र या दानयूजा या य
॥ गुनमल्लुला चर्चल्लुलि ॥ ॐ तिः
थल्लुलियूजा या य ॥ ॥

तमाना गययूजा ॥ नैऋतं वृं ना
गना जा ययायू ॥ ॐ ति ना
गययूजा ॥ ॥ ॥

अथ अकृशकलीयूजा ॥ नैऋतं
वां वीं अकृशकलीयूजा ॥ ॐ ति
अकृशकलीयूजा ॥ ॥

वज्रवर्मासि॥ हृदयादिषु
 उद्दिष्टयुजा॥ ॥ आवा
 रुनादि (धन आनिमूडा॥
 ॐ गङ्गायै नमः ॥ ॐ यमुना
 यै नमः ॥ ॐ गोदावरीयै न
 मः ॥ ॐ नर्मदायै नमः ॥ ॐ
 कावरीयै नमः ॥ ॐ कोमल
 यै नमः ॥ ॐ गङ्गायै नमः ॥
 ॐ आदित्यादि नवग्रहस्य
 नमः ॥ २ ॥ ॐ ब्रह्मादि
 दशलोकपालस्य नमः ॥ १०
 ॥ ॐ प्रियदादियं वद
 मि (यै नमः ॥ ११ ॥ ॐ
 अग्निनादि अष्टविंशति
 नरकस्य नमः ॥ २८ ॥ ॐ
 विश्वमृदिसकाविंशति
 या (यै नमः ॥ ॐ मया
 दिदादनामीस्य नमः
 ॥ १२ ॥ ॐ अष्टनामाश्रय
 विन जीविस्य नमः ॥ ८ ॥
 ॐ गोममादिसकासृष्टि

नमः ॥ १ ॥ ॐ वक्रविष्णु
 नृदेवतासि वर्यानमः ॥
 ॐ भक्तिविश्राकलाय निः
 स्वादानस्य नमः ॥ ॐ वद
 यगमासमस्तनस्य नः
 मः ॥ मूलनवलि ॥

तनास (गङ्गायुजा॥ आवा
 नादि ॥ ॐ द्या अष्टविन
 जीविस्य नमः ॥ १३ ॥ अष्ट
 न्नामादि ॥ ॐ वलि ॥ ध
 नमूडा ॥ ॐ तिस (गनयुज

अथ (गङ्गायुजा॥ नै गङ्गाः
 धानादि ॥ नै मया स्याय
 यायु ॥ नै गङ्गा गङ्गा (गङ्गा
 गङ्गा कलगावधनाय न
 मः ॥ १३ ॥ नै द्या उन
 य अष्टगद्ययति मया
 नमः ॥ गङ्गा मूडा ॥ ॐ वलि

ॐ मित्रा लक्ष्मि युजा ॥ ॥

तता वलियुजा ॥ त्रिंशत्
धनादि ॥ त्रिंशत् ननासा
ययायुः ॥ त्रिंशत् कौक्युः
० क्युयासायनमः ॥ ३ ॥
यउम् ॥ अग्निनां गदि ॥
वृद्धादि ॥ कयालम
डा ॥ ॐ मित्रं वलि ॥ ॐ मित्रं ॥

अथ गायामयुजा ॥ त्रिंशत्
धनादि ॥ त्रिंशत् ययुः
॥ गामाकृष्णा नमः ॥
३ ॥ यउम् ॥ त्रिंशत् नना
ययादि ॥ वलि ॥ आनिम
डा ॥ ॐ मि ॥ ययु वलि ॥

तता ययु वलियुजा ॥ त्रिंशत्
युनासाययायुः ॥ त्रिंशत्
जी कलपुत्रवदकनाथय

यायुः ॥ त्रिंशत् ननासाययायुः
॥ त्रिंशत् ययु वलियुजा ॥ त्रिंशत्
दवीमकाकाययुयाला
यवलिगृह ॥ स्वाका ॥ त्रिंशत्
मवासाययायुः ॥ त्रिंशत् ययु
मिनीसाययायुः ॥ त्रिंशत् युगा
साययायुः ॥ त्रिंशत् ययु
द्विवायुययायुः ॥ त्रिंशत्
मवासाययायुः ॥ त्रिंशत् गं
मीगुं गं ॥ ययु वग ॥ वयु
नाययायुः ॥ ॐ मि ॥ ॥

अथ त्रिवलियुजा ॥ त्रिंशत्
अनकमलुलाजी आदिद
वगाययायुः ॥ त्रिंशत् ननासा
ययायुः ॥ त्रिंशत् कौक्युया
यैनाययायुः ॥ त्रिंशत् मयु
नासाययायुः ॥ त्रिंशत् ययु
कलपुत्रवदकनाथयया
युः ॥ त्रिंशत् मवासाययायुः
त्रिंशत् ययु ॥ ३ ॥

नैऋतं गौरी गौरी गौरी ॥ श्री कृष्ण
गौरी गौरी गौरी ॥ ॐ नमो
शिवाय ॥ ॥ ॥

नमो कोमलीयुजनी ॥ नैऋतं
युनासनाय गौरी ॥ नैऋतं
कूटं कूटं कौकिलं कौकिलं
कोमलीयुजनी ॥ ॐ नमो
शिवाय ॥ ॥ ॥

अथ कृष्णाय नमः ॥ श्री गौरी
दि ॥ ॐ नमो शिवाय ॥ नैऋतं
युनासनाय गौरी ॥ नैऋतं
कूटं कूटं कौकिलं कौकिलं
कोमलीयुजनी ॥ ॐ नमो
शिवाय ॥ ॥ ॥

नमो शिवाय गौरी ॥ नैऋतं
युनासनाय गौरी ॥ नैऋतं
कूटं कूटं कौकिलं कौकिलं
कोमलीयुजनी ॥ ॐ नमो
शिवाय ॥ ॥ ॥

योऽक्षगेन समर्प्यते ॥ अथान
मकुंदा ॥ जे ५ द्या ॥ यक्ष्म्याः
स्यपतित्वदि ॥ मूर्तिनका
गवाचन ७ ॥ ५ ॥ येल्ल
नखप्रदिगृहानयनमध्य
नो ॥ मूलकलसहानखप्रन
॥ निहानखप्रविधि ॥ ॥

नकासुंदिलान्नयथाविधा
नन ॥ सा ॥ गंधागंधवाचनं
कमलकुंदासर्वकुत्वा ॥ अति
हायादा ॥ ॥ निधिलान्न
नविधि ॥ ॥ ॥

अथकर्ममिलुलान्न ॥ विम
बं व्यास ॥ ॥ गंधादि ॥ जे ५ द्या
॥ ॥ अथानवकुवति ॥
॥ ॥ वलि ॥ जाय ॥ ॥
॥ ॥ म ॥ ॥ म ॥ ॥ रान
घान ॥ वा ॥ ॥ लोका

ना ॥ मांस्तुतिदिदीना ॥ दया
ग ॥ अमिका ॥ जा ॥ मयस
नारुव ॥ ॥ निजा ॥ ॥

सगुर्वादिगुनसर्वगुलिनसा
धकाजना ॥ ममायवाधसर्व
कमागायकेकमानि ॥ सिंहा
सनसमाना ॥ हृदवस्तुयनस
यकाता ॥ अक्षा ॥ गेनमने
कन ॥ सर्वजननमस्कन ॥ सिं
हामनथाकावन ॥ ॥ ॥

अथक्रुजागिजानेरुमाय ॥
नासिय ॥ ॥ नि ॥ अयादि ॥
सूर्यादि ॥ यथारुजन ॥ गुन
नमस्कन ॥ वतिनीमकुंदाक
लवकागन्याम ॥ जलाद्ययाः
गुपुजा ॥ रुतुद्वि ॥ आत्मय
जा ॥ ॥ ना ॥ याम ॥ ॥ ॥ ॥
सकंदरेनवायकुडि ॥ का
ययाय ॥ ॥ ॥ ॥

तनाकुलुससुनकया॥१॥नेंकी
धीधुंझोयायू॥२॥नेंकीयायू
॥३॥ज्ञानदृष्टिनभाय॥४॥
नें॥किलिशिविचकाकनाय
क॥जमुयदु॥लंखनदा
य॥५॥नें॥ध्यानजधानज
धानामखीवदुनूयायैक
कववायदु॥जकगनटाउ
न॥६॥नें॥किलिशिविचकर
कनायदु॥जमुयदु॥
जकावादिक्कानानंमकु
नंलंखनदाय॥७॥नें॥द
जंमध्यानजधानामखी
वदुनूयायैककववायदु
॥स्नानकुलुदायकावाय
नीमानस॥८॥नें॥किलि
शिविचकाकनायदु॥जमु
यदु॥कुलुमुय॥९॥
नें॥धुंकुकि कायेकुलदी
या॥१०॥नें॥कीलिससारा
वावाय॥११॥नें॥नभा

रुगवतिदुक्कमलायेका
ददयाययायू॥१२॥धन॥
६॥नें॥ध्यानजधानज
धानामखीवदुनूयायैक
कववायदु॥लंखनदाय॥
१३॥नें॥किलिशिविचकाक
नायदु॥जमुयदु॥१४॥
॥दायमाथवनक॥१५॥
नें॥धुंयायू॥१६॥नय
य॥१७॥नें॥नेंयायू॥
वथेल॥१८॥नें॥कम
लामयकुलुययायू॥
कुलुयू२॥धालगयुवादि
उरुनानंमय॥१९॥नें
॥ध्यानजधानजधाना
मखीवदुनूयायैककव
वायदु॥कुलुकानयीन
॥२०॥नें॥कीकीकुंकुं
कुं॥यायू॥२१॥स्वर्गने॥२२॥

निमिषासना यथायुः ॥ अः
निमिषाय ॥ भनू ग क ल वा
य ॥ यदु वासनयाय ॥ अः
कानादि ॥ १७ ॥ क कानादि
॥ १८ ॥ इ धन ॥ ए व नादि
रेवर्वक्षात्वा ॥ न वा काने ॥
नेन किं लिखितं विष्णुका कनाः
यदु ॥ अमु यदु ॥ १९ ॥
अग्नि कलुस ॥ ॥ ॥

नमो वागीध्वनीयुजन ॥
कलुमक्षस ॥ आ वा रु नादि
॥ २० ॥ अ न सी यु यः
स का ॥ सर्व ल क ल सी यु
न ॥ २१ ॥ अ य दु म ती द वी म्वा
ग सी म व त्रि न य ॥ २२ ॥
न य यी या य ॥ २३ ॥ अ य
या य ॥ य ज ॥ २४ ॥
य ॥ वा गी ध्वनी या
य ॥ २५ ॥ अ य ज ॥ २६ ॥

अविष्णु ॥ २७ ॥ अ न वि मू र्क य वि
गुणाय या य ॥ २८ ॥ क लुः
ल ॥ अ वि विष्णु या य ॥ २९ ॥
य ॥ या गि नि म क्ष लि ग लु
य ॥ ३० ॥ स ॥ ३१ ॥ क लुः
३२ ॥ व की या य ॥ ३३ ॥ य न न ॥
३४ ॥ क लु म क्ष ॥ ३५ ॥ न माः
३६ ॥ ग व ती द द या य या य
३७ ॥ द द या न य र्क ध न न
वा रु ना दि म क्ष स ॥ ३८ ॥
३९ ॥ अ गि वा गी ध्वनी यु ज
॥ ॥ ॥ ॥ ॥

अथ यजमाननसिकाय
कथका ॥ आ वा य वि य ॥
सि अ य या य य ल ख न रु
य ॥ क य ल य ॥ ग य यी न
॥ ४० ॥ क क का य वि द्र रु
क ल द वा य यी धी म दी ॥ ग न
क वि य या द या ॥ ४१ ॥ अ य

ॐ हूं वर्वन निख निखाये
वोषट् ॥ मिगुने ॥ ने ॥ जा
जातन लोय योय ॥ ने ॥ जा
विद्यान लोमय मधुलाखा
का ॥ ने ॥ हूं निवग लाय मः
ग्याय साहा ॥ निग लन मि
नन क्रम नन ॥ यदन मि
दुलजजम का सानन ॥ का
रुद्रुम (ध्व) मयुजन ॥ जा
जाम रवी हूं रुद्रिका विष्ट
यायु ॥ हूं रुद्रुम (ध्व) मान
॥ दालाम रवीने श्री काया
लिका विष्ट यायु ॥ सिज
वकास ॥ ने ॥ युधुम रवी
यां रुद्रिका मानी का विष्ट
यायु ॥ सिख कास ॥ ने
॥ श्री का कम रवी जा का क
जिजा विष्ट यायु ॥ हूं रुद्रु
दयन ॥ हूं निका रुद्रु
युजा विधि ॥ ॥ ॥

ततामिमनया नकाय ॥ थ
वजवसमग रुद्रुम स्या
दत ॥ मयुजा कियामि
नव ॥ वो द्रुलया कका
याव नव ॥ हूं गालय ॥
रुद्रुम याव सिमन या न
शाय ॥ हूं गालय नियम
लीम लायन सिमन कार
कागय मलिम लायन ॥
ने ॥ हूं साहा ॥ सिमन य
शाय ॥ ने ॥ हूं म ॥ शाय
निमय ॥ पुनाय यायु ॥ ने
॥ कि लि शविष्ट का कना
यद्रु ॥ मयु यद्रु ॥ लख
नय ॥ ने ॥ धान ॥ मयु धान
मयु धानाम रवी वद्रु नया
येद्रु कव वायद्रु ॥ मयु गु
धन ॥ ने ॥ कि लि शविष्ट क
कनायद्रु ॥ मयु यद्रु ॥

थियमिमद्याग ॥ ॐ नि म
आयविधि ॥ ॥ ॥

अथ कथादागिन ॥ सलि
मिलासनिर्मदुनमृमि ॥
उयकायका ॥ ॐ ॥ किलि २
विश्वकाकनायक ४ प्रमा
यरुट ॥ वलियुजन ॥ ॐ ॥
जयसंयुक्तुयुरुगायुरुः
गाहुविमोहिगा ॥ युरुगा
विष्णुकलनिकन ॥ धनुः
निवाहया ॥ ॐ ॥ सर्वविष्णु
रुद्र ४ सर्वरुद्रथावलि
गृक्ष २ सारा ४ ॥ गंधुआक
नरामल ॥ सनिनमनः
सथाल ३ ॥ ॐ ॥ किलि २ वि
श्वकाकनायक ४ प्रमाय
रुद्रकथादागिन ॥ ॥ ॥

धनन ॥ ॐ ॥ रुद्रकथा
दाययद्रुसारा ४ ॥ मनीः
भनायिन ॥ ॐ ॥ किलि
२ विश्वकाकनायक ४ प्रमा
कायरुट ॥ ॐ ॥ कथाद
गिविधि ४ ॥ ॥ ॥

नम १ ॥ दामि ॥ ॐ ॥ नमारु
गवतिदुनकमलायेकाक
दयाययायु ॥ ॥ लखदा
सिमगायानम ॥ गायगीटी
ऊयलय ॥ ॐ ॥ कडिकाय
विष्णुकलदीयायेधिमः
दि ॥ गनीकडियुयाउयात
॥ ॐ ॥ गिउकीकुत्वा ॥ ॐ ॥
यवेदवर्तुग ॥ ॐ ॥ किलि २
विश्वकाकनायक ४ प्रमाय
रुट ॥ नका ॥ ॐ ॥ धानजया
नजेधानामखीवद्रुयुयो
यककववायह ॥ ॐ ॥

ॐ नमः ॥ अ न म डी ॥ अ गि गृ
हीत्वा ॥ नमः ॥ श्री श्री या य ॥
ॐ ग धन नमः ॥ नमः ॥ मन रु
धा ह कि ॥ १ ॥ श्री नमः ॥
नमः ॥ अ गि स्तु य न ॥ म ल क र
द य न स्तु य न ॥ नमः ॥ श्री श्री
श्री श्री या य ॥ य ज
मान ॥ श्री श्री य य थ काम
म य ॥ श्री श्री द ह क जा मि
स्तु य न म म रु म रु ॥ नमः ॥
श्री स व रु य ॥ ०७ ॥ द वा सा
म न स्तु रा व ना ॥ नमः ॥ न मारु
ग व ति ह न क म ला ये जा
ह द या य या य ॥ अ गि
यु ज न ॥ नमः ॥ श्री श्री श्री श्री
दृ दृ दृ दृ दृ ॥ अ थ स्तु स्तु
वा रु य ॥ ०७ ॥ नमः ॥ स्तु स्तु
श्री स द वि द्य ॥ स्तु स्तु मारु
शु य ॥ व व ॥ या गि नी स्तु स्तु
स र्व ॥ ३ ॥ स्तु स्तु यी ॥ ०७ ॥

गु जा ॥ १ ॥ य व द कि ल र
॥ स्तु व य स्तु मारु न म व व
स्तु स्तु स र्व य ॥ नमः ॥ गु य
क म द व ना ॥ २ ॥ स्तु व व
न वी स र्व ॥ स्तु स्तु द ह ग या
गि नी ॥ स्तु स्तु व व न वि वि व
स्तु स्तु द ह द ह द ह ॥ ३ ॥
वि ना य क क म न ॥ स्तु स्तु
म य य स य क ॥ स्तु स्तु व ल क
या ल व ॥ स्तु स्तु ति थ न क जा
व ॥ या ग ना गि न थ व व ॥ स्तु
स्तु मारु म म रु ॥ स्तु स्तु अ धान
नमः ॥ व व ल ॥ ४ ॥ म म डाय व
ता स्तु स्तु स य ल क म नी स्तु
या ॥ स्तु स्तु य का व ग ध र्व य न
ग व व व रु थ ॥ ५ ॥ स्तु स्तु व
म म नी वा य ॥ अ न व य ॥ व
म क ॥ नमः ॥ व क ल ता स्तु स्तु
न य रु म व रु वि ध ॥ ६ ॥ या
गि नी स्तु स्तु वी न ड ॥ क ल जा
व व नी रु थ ॥ स्तु स्तु व द य

गमस्वस्ति गमय गीया ह गीस्व
 अ॥ ४ ॥ स्वस्ति नो जाय जा
 ना ॥ सत्त्वानां मानव यव
 आवा यम किं या स्वस्ति स्व
 स्ति यत्ने यम सर्वदा ॥ २ ॥ मः
 गला हव यस्वस्ति स्वस्ति द
 (६) (७) हव यव यजमान मदा
 स्वस्ति रुयानु सर्वदवसा ॥
 ॥ १० ॥ ॥ मालनीय (०७)
 नमो नमो नमो नमो नमो नमो
 लाये जा ह द या य या य ॥
 सिनकार्ग ॥ नमो नमो नमो नमो
 य ॥ स्व नमो नमो नमो नमो
 दुस गन ॥ हूति ॥ ॥ ॥
 गिस्व यन विधि ॥ ॥ ॥

गता की न न ग र्ग धाना दूति
 युगैय सिन ॥ जा दूति स्वया
 ल ॥ नमो नमो नमो नमो नमो
 यद ॥ जस्व यद द स्वा द ॥
 हूति ग र्ग धाना दूति ॥ ॥

अथ वेदी जा मनन ॥ हृदय
 दि ॥ नमो नमो नमो नमो नमो
 कमलाये जा ह द या य या
 य ॥ नमो नमो नमो नमो नमो
 दूति वदीन ॥ युव जस्व नवा
 मनन ॥ १ ॥ नमो नमो नमो नमो
 दक्षिण ॥ २ ॥ नमो नमो नमो नमो
 क्षिम ॥ ३ ॥ नमो नमो नमो नमो
 उरुल ॥ ४ ॥ नमो नमो नमो नमो
 याय ॥ वरुवद ॥
 पूजा ॥ ॥ युव जस्व नवा
 दि उरु नमो ॥ वलिविय ॥
 पूर्व ॥ नमो नमो नमो नमो नमो
 भय याय ॥ दक्षिण ॥ नमो नमो
 नमो नमो नमो नमो नमो नमो
 ॥ नमो नमो नमो नमो नमो नमो
 यी भय याय ॥ उरु नमो ॥ य
 क्षिम ॥ नमो नमो नमो नमो नमो
 यी भय याय ॥ उरु नमो ॥ नमो
 नमो नमो नमो नमो नमो नमो
 ॥ नमो नमो नमो नमो नमो नमो

य ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

नमो वंदीयुः ॥ ॐ नमः
॥ गार्ग्यदाय ॐ दमासनं नमः
॥ दक्षिण ॥ नैयऋतं दाय ॐ
दमासनं नमः ॥ यथिमा ॥ ॐ
सामवेदाय ॐ दमासनं नमः
नैऋतं ॥ उरुन ॥ ॐ अथर्ववेदाय
ॐ दमासनं नमः ॥ ॐ मि
त्रे दिव्यं ॥ ॥ ॥

अथर्ववेदाय ॥ ॐ नमः
॥ गार्ग्यदाय ॐ दमासनं नमः
॥ दक्षिण ॥ नैयऋतं दाय ॐ
दमासनं नमः ॥ यथिमा ॥ ॐ
सामवेदाय ॐ दमासनं नमः
नैऋतं ॥ उरुन ॥ ॐ अथर्ववेदाय
ॐ दमासनं नमः ॥ ॐ मि
त्रे दिव्यं ॥ ॥ ॥

नमो वंदीयुः ॥ ॐ नमः
॥ गार्ग्यदाय ॐ दमासनं नमः
॥ दक्षिण ॥ नैयऋतं दाय ॐ
दमासनं नमः ॥ यथिमा ॥ ॐ
सामवेदाय ॐ दमासनं नमः
नैऋतं ॥ उरुन ॥ ॐ अथर्ववेदाय
ॐ दमासनं नमः ॥ ॐ मि
त्रे दिव्यं ॥ ॥ ॥

नमो वंदीयुः ॥ ॐ नमः
॥ गार्ग्यदाय ॐ दमासनं नमः
॥ दक्षिण ॥ नैयऋतं दाय ॐ
दमासनं नमः ॥ यथिमा ॥ ॐ
सामवेदाय ॐ दमासनं नमः
नैऋतं ॥ उरुन ॥ ॐ अथर्ववेदाय
ॐ दमासनं नमः ॥ ॐ मि
त्रे दिव्यं ॥ ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

वनाधियनयमृगसना
यनमः॥ॐ॥मौसौसूक्त
नायगदाहस्यधनाधि
यनयहयासनायनमः॥
ॐ॥कांकीदूँलीसोनायति
धूलहस्यमवहनाधिय
नयहयासनायनमः॥ॐ॥
॥ॐ॥ॐ॥उँ॥इन्द्रियकमलुः
लूहस्यस्यधियनय
हसामनायनमः॥ ॥
ॐ॥ ॥ ॥म(ध)

सयूजा॥ जगिद्विषयसंयुक्तं
स्वर्गं यनम॥ जगिद्विषयसंयुक्तं
यनम॥ जगिद्विषयसंयुक्तं
म॥ जगिद्विषयसंयुक्तं
रुहेनवायुं ययायु॥ जगिद्विषयसंयुक्तं
॥ जगिद्विषयसंयुक्तं
ययायु॥ ॥
हृदयं यममिधरामं॥
मूलमनु॥ जगिद्विषयसंयुक्तं

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अर्चि
युक्तं स्तुतिः ॥ ॐ नमो भगवते
कनकाक्षी ॥ ॥ ॥

अथ बुद्धाष्टीनयुजा ॥ आ
 स ॥ जे ॥ बुद्धाष्टी ॥ दमास्रय
 यू ॥ जे ॥ बुद्धीनाय ॥ दमास्र
 यायू ॥ जे ॥ आत्मासनायया
 यू ॥ जे ॥ किलिशिविचकाक
 नायड ॥ अमुयड ॥ अथ
 याडलखनकाय ॥ जे ॥ धा
 नजधा ॥ नजधानामखीव
 दूनूयायेडकनवायड ॥
 बुद्धीनमिसयन ॥ जे ॥ किलि
 शिविचकाकनायड ॥ अमु
 रड ॥ कुडानयय ॥ जे ॥ अमु
 रग ॥ अथयायू ॥ लखथ
 न ॥ जे ॥ गयायू ॥ यूनन ॥ जे
 यायू ॥ जे ॥ कावुद्धाष्टीयायू
 ॥ जे ॥ कावुद्धाष्टीनायनाय
 यायू ॥ जे ॥ सुद्धिकरुयया

नं०: १३५४

यः॥ ॥ यनवुक्तायलीन
 योजा॥ नै॥ वुक्तायलीन
 ॥ जी॥ वुक्तायलीन ॥ नै॥ जी
 विष्णुवयायु॥ नै॥ जी॥ यन
 मात्मनयायु॥ ॥ व॥ द॥ ना॥ क
 नयु॥ य॥ य॥ य॥ ॥ जा॥ य॥ ॥ स॥ उ
 ॥ य॥ य॥ य॥ नि॥ व॥ नु॥ म॥ कि॥ म॥ दि॥
 स॥ न॥ नि॥ वा॥ सि॥ त॥ ॥ स॥ रि॥ क॥ र॥
 ल॥ का॥ नि॥ त॥ य॥ ॥ त॥ स॥ व॥ व॥ न॥ मा
 ॥ मु॥ न॥ ॥ य॥ स॥ रु॥ रु॥ ग॥ दा॥ य॥ क॥
 ग॥ न॥ उ॥ य॥ स॥ वा॥ रु॥ न॥ ॥ स॥ म॥ क॥
 भा॥ रु॥ क॥ थ्या॥ न॥ ॥ य॥ य॥ ना॥ रु॥ उ॥
 ना॥ द॥ न॥ ॥ ॥ ज॥ मु॥ ग॥ धा॥ दि॥ ॥ ॥
 क॥ रु॥ द॥ कि॥ ॥ वा॥ व॥ स॥ य॥ न॥ ॥
 क॥ रु॥ उ॥ रु॥ न॥ स॥ व॥ ली॥ स॥ य॥ न॥ ॥ य॥
 व॥ व॥ ॥ य॥ उ॥ न॥ ॥ नै॥ ॥ य॥ ॥ य॥ ॥
 वे॥ धा॥ न॥ ना॥ य॥ य॥ य॥ ॥ ॥ य॥ ॥
 ॥ व॥ दी॥ य॥ ज॥ ॥ नै॥ ॥ जी॥ ॥
 रु॥ द॥ या॥ य॥ व॥ द॥ ॥ वा॥ य॥ ॥ नै॥
 जी॥ रु॥ द॥ या॥ य॥ वि॥ ष॥ व॥ या॥ य॥ ॥
 ॥ नै॥ ॥ जी॥ रु॥ द॥ या॥ य॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ नै॥ ॥ जी॥ रु॥ द॥ या॥ य॥ नू॥ ज॥ य॥ य॥ ॥ ॥ ॥

ययायु॥ य॥ वृ॥ दि॥ उ॥ रु॥ ना॥ न॥
 ॥ य॥ उ॥ न॥ ॥ नै॥ ॥ जी॥ व॥ द॥ ॥ वा॥ य॥
 ॥ नै॥ ॥ जी॥ व॥ द॥ ॥ वा॥ य॥ ॥ नै॥ ॥
 जी॥ वि॥ ष॥ व॥ या॥ य॥ ॥ नै॥ ॥ ॥
 ध॥ ना॥ य॥ या॥ य॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य॥ ली॥ न॥ य॥ ज॥ वि॥ धि॥ ॥ ॥

न॥ मा॥ ध॥ वा॥ ॥ ध॥ न॥ ॥ नै॥ ॥ कि॥
 लि॥ श॥ वि॥ च॥ का॥ क॥ ना॥ य॥ क॥ ॥ ॥
 क॥ य॥ रु॥ ॥ ॥ ल॥ ख॥ न॥ द॥ य॥ ॥ ॥
 नै॥ ॥ य॥ ॥ य॥ ॥ य॥ ॥ म॥ ल॥ न॥
 धि॥ ॥ ॥ य॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 कि॥ लि॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य॥ क॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न॥ धा॥ य॥ ॥ नै॥ ॥ धा॥ न॥ ॥ ॥
 ज॥ धा॥ ना॥ म॥ र॥ वी॥ व॥ रु॥ नू॥ या॥ य॥
 क॥ क॥ व॥ वा॥ य॥ ॥ ॥ य॥ न॥ ॥ नै॥
 ॥ जी॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य॥ ॥ नै॥ ॥ जी॥ वि॥ श॥ न॥ ॥ ॥ ॥
 य॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

कायेक लक्ष्मीयायेकींमिः
नमस्कारा॥ कदाय॥ ॥ ॥
ध्यानजधानजधानामु
स्वीवद्वनूपायेककवः
वायदू॥ वनूरुलुसग॥
॥ ॥ किनि२विचैकाकना
यद॥ ॥ अमुयकट॥ लः
मर॥ ॥ कथेवसयोन॥ ॥ ३
॥ लख॥ ॥ १३॥ यनवाक्य
वाक॥ ॥ वनूरुलुसग॥
वदनादियुजन॥ ॥ ॥ ॥ ॥
रमायेनम॥ ॥ ॥ ॥ ॥
जायेनम॥ ॥ ॥ ॥ ॥
रायनम॥ ॥ ॥ ॥ ॥
यनम॥ ॥ ॥ ॥ ॥
म॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥
विष्णुनायनम॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ श्री

कतायुजा॥ ॥ ॥ ॥ ॥
यकलक्ष्मीयायेकींमिः
नमस्कारा॥ ॥ ॥ ॥
लि॥ वनूरुलि॥ अगिदु
सक्य॥ ॥ ॥ ॥ ॥
वय॥ ॥ ॥ ॥ ॥
क्षयक॥ ॥ ॥ ॥ ॥
का॥ ॥ ॥ ॥ ॥
नथमविष्णुलुसग॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥
क॥ ॥ ॥ ॥ ॥
वदाय॥ ॥ ॥ ॥ ॥
येकलक्ष्मीयायेकींमिः
नमस्कारा॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥
सयनकनक॥ ॥ ॥ ॥
नवायकावयनइतिन
॥ ॥ ॥ ॥ ॥
नायद॥ ॥ ॥ ॥ ॥
नक॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ नै ॥ नमो भगवते विद्महे
 मलाये का हृदयाय यायु ॥
 ॥ कृष्णाय नमः ॥ नै ॥ कि
 लि २ विर्व का कृ नाय कृ ४ अ
 सु यरुद ॥ मी लयु नं गभ वा ॥
 ॥ अथ वरु वा साध
 नं ॥ नै ॥ धा न ज धा न ज धा
 नाम स्वी वरु नू या य कृ क व
 वा य कृ ॥ य न ॥ नै ॥ कि लि २
 विर्व का कृ नाय कृ ४ अ
 यरुद ॥ कृष्णाय ॥ धा न व
 पुत्रा ने वान ॥ धा न न ज
 य कृ लि थ व कृ य स न ॥
 धा न व न स र ग ग ॥ थ अ मि
 द व ॥ ग म य लि कृ ॥ नै ॥ कि
 लि २ विर्व का कृ नाय कृ ४ अ
 का यरुद ॥ कृष्ण न उ य व
 न ॥ नै ॥ नमो भगवते विद्महे
 कम ला ये का हृ या दे य वा
 या ॥ अ ल स म र व ॥ थ म र
 य ॥ नै ॥ धा न ज धा न ज धा

नाम स्वी वरु नू या ये कृ क व
 वा कृ ॥ थ व जाला स दाय ॥
 कृष्ण लि द न द व न र ॥
 धृ न र ग ॥ नै ॥ अ ॥ ग र
 कृ ॥ नै ॥ अ ॥ मि धा मा र्णा
 कृ ॥ नै ॥ अ ॥ मि मु वि क र
 सा कृ ॥ ॥ धा न स ॥ धा न
 म द ॥ अ क मा न धा न स क
 स व क ॥ नै ॥ अ ॥ य या य कृ
 न य कृ ॥ मा य या य कृ न मि
 व ॥ अ य या य कृ न कि लि
 स र व या य कृ न य न ॥ म र
 या कृ लि ॥ ३ ॥ नै ॥ अ ॥
 कृ व ॥ सा कृ ॥ ॥ कृ लि
 धृ न स कृ न ॥ ॥ ॥

धा न स वा ग व लं व य ली न
 स न ॥ धा न अ य कृ लि ॥
 कृ स न स न ॥ थ व न कृ ॥
 का न थि न ॥ ॥ नै ॥

वैष्णवविश्वकाशिकायकृष्णस्यदृष्टं॥
नमः॥ १

अरु ॥ मिलन ॥ ३ ॥ नै ॥
 नमारुगवतिददकमला
 येकाददंआयेयायु ॥ ३ ॥ उद
 वकुलसयासायसादा ॥ ४ ॥ यु
 नन ॥ नै ॥ नमारुगवतिदद
 कमलायेकाददयाययाम
 ॥ ५ ॥ मिलन ॥ नै ॥ का ॥ उद वकु
 यजनयासायसादा ॥ ६ ॥ यु
 न ॥ नै ॥ नमारुगवतिदद
 कमलायेकाददयायया
 यु ॥ ७ ॥ मिलन ॥ ३ ॥ नै ॥ यु ॥
 डि कायेकुलदीयाये
 कायुर्ववकुययुजकुलना
 यसादा ॥ ८ ॥ यु नन ॥ नै ॥ न
 मारुगवतिददकमला
 येकाददयाययायु ॥ ९ ॥ मि
 लन ॥ नै ॥ यु ॥ डि कायेकु
 लदीयाये कायुर्ववकु
 यककुलदायसादा ॥ १० ॥ यु
 नन ॥ नै ॥ यु ॥ डि कायेकु
 लदीयाये येकादिनम
 सादा ॥ ११ ॥ मिलन ॥ नै ॥ का ॥

कृवर्चनमिश्रद्वन्द्विधवः
 कयवद्वन्द्वलक्षयसादाः
 ॥ घृनन ॥ नै ॥ ध्यानमयध्यान
 मयानामखीवद्वन्द्वयथैः
 केकवयायद्वन्द्वः ॥ निलन
 ॥ नै ॥ ध्यानमयध्यानमयध्यान
 ॥ घृनन ॥ नै ॥ कृद्विधा
 यैवि यैद्वन्द्वलक्षयसादाः
 यधामदीननाकृद्विधय
 उया ॥ मययथै ॥ नै ॥ जांजां
 द्वांजांजां ॥ दीकायदाना
 यसादा ॥ निलन ॥ नै ॥ दीं
 धृं धृं धृं ॥ नै ॥ दीं धृं धृं
 धृं धृं धृं ॥ नै ॥ दीं धृं धृं
 दीका यै यदानायसादा
 द्वां ॥ घृनन ॥ नै ॥ नमारु
 गवनिद्वन्द्वकमलायेडा
 द्वां द्याययायुः ॥ निलन
 ॥ नै ॥ नमारुगवनिद्वन्द्वक
 मलायेडा द्वां द्याययविरु
 येमवायसादा ॥ घृनन

॥ नै ॥ किद्विद्विधकाद्वन्द्व
 ययनायनवकुमयवुथा
 यसादा ॥ ॥ नै ॥ निद
 धिद्विधाविधि ॥ ॥

नकाजगियुमिष्टा ॥ वनिः
 मिमकुलजाद्वन्द्वमिष्टा
 ॥ नै ॥ गकर्धनायैद्विधका
 यरुनिद्वन्द्वमयैयुक्त
 क्रियारिः सर्वलक्षयः
 कं सकलगुणरुनं सकल
 कान्तिगन्धिद्वन्द्वीरुं
 जगिर्विक्रयनवजवाय
 यनकाद्वन्द्वनाजाना
 मयिकायै घृनयगविः
 धिनासुयुमिष्टाययामि
 सादा ॥ ॥ ॥ नका
 मारुयिष्टविमर्दनं ॥ द्वा
 नायाम्यगुनामयासन
 वकिदाउकविश ॥ ॥
 अथमूलमनुन असाद

४। समिद्धदामं मूलनाज
 शिनाङ्गादि ॥ ययागदि ॥
 कृष्णवृक्षधीकृजामि ॥ ॥

[illegible]

यथायुः॥ लीखनय ॥ चाम
 वलंगतदलन ॥ त्यागना ॥
 उं नमो ज्ञदाये स्वाहा ॥ ॐ
 दं नमो ज्ञदाये ॥ यव ॥ उं नमो
 दाघदा ज्ञदाये स्वाहा ॥ ॐ
 दं दाघदाये ॥ आ ॥ य ॥ उं नमो
 दं जयदाये श्री स्वाहा ॥ ॐ
 दं जयदाये ॥ दक्षिणा ॥ उं
 नमो मृत्युदाये स्वाहा ॥ ॐ
 दं मृत्युदाये ॥ नेमृत्यु ॥
 उं नमो शक्रकालिकाये
 स्वाहा ॥ ॐ दं शक्रकालि
 काये ॥ वायु ॥ उं नमो वृषणी
 कालिकाये स्वाहा ॥ ॐ
 दं वृषणी कालिकाये ॥ वा
 य ॥ उं नमो उच्चाये स्वाहा
 ॥ ॐ दं उच्चाये ॥ उरु ॥ उं
 नमो जयदाये स्वाहा ॥ ॐ
 दं जयदाये ॥ ॐ ॥
 ॥ उं नमो सर्वसिद्धिदाये ॥

स्वाहा॥ हूँ सर्वसिद्धि
दाय॥ मन्त्र॥ ॥ ॥

मन्त्रजिह्वासंस्थानं॥ नैऋत्यं
नाजदायं दायं दायं स्वाहा
॥ नैऋत्यं दायं गुरुकालि
कायं स्वाहा॥ नैऋत्यं गुरुका
लिकायं वशीकायं स्वाहा
॥ नैऋत्यं वशीकायं उच्चायं
स्वाहा॥ नैऋत्यं ऊर्ध्वायं दायं
सर्वसिद्धिदायं स्वाहा॥ नैऋत्यं
गुरुनाजदायं दायं दायं
यनीमूर्खदायं गुरुकालि
कायं वशीकायं उच्चायं निस्या
र्थजेदामकिकालिकास
र्वसिद्धिदायं जम्बुयस्तु
॥ बठजिह्वाकृदनं॥ नैऋत्यं
गुरुमन्त्रसर्वसिद्धिदायं
स्वाहा॥ ॥ जिह्वाम्
डोदण्ठाय॥ ॥ श्ववा
मन्त्रादममिधयुगीनस
न॥ ॥

नैऋत्यं दायं स्वाहा॥ नैऋत्यं
जम्बुयस्तु॥ ॥ श्ववा
स्वाहा॥ नैऋत्यं कालिका
लीनं दमदग्धस्वयं
श्रुत्या॥ यडाययका॥ श्ववा
मनविजया॥ मद्भवकुनि
नं॥ मयूरुयागमीनं य
नलमलिमदं॥ धामयनी
कलाद्वशी॥ जीजीवादीय
यकानी॥ निवमगमिम
यं॥ यापुनि॥ ध्वनीसस्वा
हा॥ ध्वनं॥ ॥ ॥

ननायश्चगवदाम॥ ॥
नैऋत्यं किलि२विश्वकाकिना
यदं॥ जम्बुयस्तु॥ ॥
हूँ निस्यश्चगवदाम॥ ॥

जम्बुनादिमन्त्रं॥ जम्बु

दवगामूलनकलवकुम्भ
 न्यास॥ पुननमस्क॥ न्या
 साद्ययापयका॥ आधना
 ययस्यासन॥ आवाहनी
 दि॥ नन्दनाकगुयाङ्ग
 लि॥ सगनस्यनिवालादि
 युजन॥ सगलद्वन्द्वीः
 अग्निसूत्रयंवित्रिय॥ अ
 वाहनादिस्यस्यमडा॥ धी
 कृत्तिकायामकुलमाद्रु
 निवियधान॥ १०॥ सग
 लस्यनिवानयागंधान१
 ॥ विय॥ ॐ निनादिसन्धा

अथघृणाद्रुमिदशागा॥ ॐ
 कौकौकूकूकूयालायसाह
 ॥ ॐ ॥ श्रीकीकलयुवद
 कनाथायसाह॥ ॐ ॥ गी
 गीगू॥ गी॥ गी॥ गी॥ गी॥ कल
 गी॥ गी॥ गी॥ गी॥ गी॥ गी॥

गतादमलाकयान॥ ॐ ॥
 लुं॥ डायसाह॥ ॐ ॥ न
 अ॥ यसाह॥ ॐ ॥ मूयमा
 यसाह॥ ॐ ॥ कूनेमृया
 यसाह॥ ॐ ॥ वृवनृत्तः
 यसाह॥ ॐ ॥ यूवायुव्य
 यसाह॥ ॐ ॥ सूकयला
 यसाह॥ ॐ ॥ दू॥ ह्री॥ ॐ ॥
 नायसाह॥ ॐ ॥ अ॥ अ॥
 ससाह॥ ॐ ॥ उ॥ उ॥ उ॥
 साह॥ ॥ ॐ ति ॥

वृक्षान्यादि॥ ॐ ॥ अ॥ वृक्ष
 य॥ यसाह॥ ॐ ॥ कमा
 रु॥ रु॥ रु॥ साह॥ ॐ ॥ व॥ व॥
 मानीसाह॥ ॐ ॥ गै॥ वै॥
 वीसाह॥ ॐ ॥ ग॥ वा॥ ना॥
 साह॥ ॐ ॥ य॥ ॐ ॥ डाय॥
 साह॥ ॐ ॥ य॥ वा॥ म॥ ॐ ॥

मकिमहिनायका नामः
कृपाधिकयस्वाहा ॥
मृमृकाखरुनवायठ
वेष्टुवीमकिमहिनाय
जहृहासकृपाधिकय
स्वाहा ॥
रुनवायं ऊयनी कृपाः
मिफमस्वाहा ॥
उंकयानरुनवाययं
आयणीमकिमहिनाय
स्वाहा ॥
लरुनवाययं वामधुः
मकिमहिनायस्वाहा ॥
उंमज्जंमंरुनवा
यमंमहालसीमकिमः
हिनायनायदवीकाष्ट
कृपाधिकयस्वाहा ॥
रुमिययागमदि ॥

अथरुकादि ॥
जा ॥
कानरुका कमहा रुनवायः
महाममनाधिकयस्व
मकिमहिनायस्वयनिवा
नायस्वाहा ॥
यंदं कवर्मजागयीमः
धिकानविधुनानकमरु
रुनवायममनायस्वा
हा ॥
वर्मयामयीमधिकान
अगिवनानमहा रुनवा
यमहाममनायस्वाहा ॥
मृययीमधिकानअगिः
किक्कामहा रुनवायमहा
ममनायस्वाहा ॥
थंदधनंमवर्मवानुदीः
यीमधिकानकानाकम
हा रुनवायमहामम

कृतीः श्रीलक्ष्मीः (ग) ग्राम स
 गुणः कृणुयात् ग (द) शी-
 (ग) मयतिंग विवलि यं
 ववलि कृति काय रुति
 यः युर्यं कं युरं शुरु मा
 हं मिष्टं मां हं मि ॥ ॥
 अथ घृणादुति यूरु ॥ वा
 क ॥ व ॥ व ॥ विष्णु मरु
 दः ॥ सूनयतिद रुने ॥ का
 नल रुय यं वा वा माय
 रु उ ना ग ॥ य रु ग ॥ रु दि
 वा ना शि आदि स ग्रा ॥ या
 गि न्ना रु ला आ ग ॥ य नि
 व द्का ॥ कृणुया नो दिका
 या रु स र्व स नु ॥ नि त्व
 रि म ग रु ल द ॥ आ र्थ यूरु
 रु रु न न स्वा रु ॥ ॥ मि
 घृणादुति विधि ॥ ॥

गता विद्याय (ग) धनं ॥ ॥

वें ॥ किलिश् विविका कना
 यद ॥ अमुय रुट ॥ लखं
 हाय ॥ नै ॥ न मा रुं वा गी द
 द कम ला ये का द द या य
 वायु ॥ म स य ॥ ॥ नै ॥ कि
 लिश् विविका कना यद ॥
 अमुय रुट ॥ कृणुया नु य
 ॥ या प्र स र्वो दि न य क ॥
 रु मान न स य स न र ॥
 गं रु अ रु न दा मु य न
 क रि सा ख न ध नी इ इ
 बी न द य सि द न का य म
 म ल स रु य मा ला स मि ध
 अ इ वा न थ र वी या रु म र
 ॥ य रु मान न आ वा ल्य य
 य ॥ रु रु य या दा य
 व द न सि द न यूरु रु
 रु रु ॥ ॥ वी या रु रु
 न रु ग ॥ वा रु ॥ स र्वो ल
 का ल स र्व कं क रु न म डि

कानिच कलुलानिमृकानि
 गुनस्य ४ यमि गृह्णन्ती यथा
 यद्गुणस्य सां ममा (धर्मस्य
 साधकं। नाप्रयत्नं स्मिन्
 वीहि गुनस्य ४ यमि गृह्णन्ती
 नां। जाय ४ धियं च कल्याणं
 यग्ययोगाधनानिच ॥ रुच
 नां गुनस्य सादन सर्वका
 र्या ४ सिद्धयः ॥ यजुमा
 नन जायाव जावा र्यविय
 ॥ मूलमनुन जाय ४ १० ॥
 मूलमनुन यजाव चना
 दिसंयय ॥ नैकां धीं शुद्धां
 मां मां याय ॥ मां य
 मां मां गीतां य ॥ नैकां
 मां मां कृदिकाय विम
 रुषादि ॥ ॥ नैकां ॥ वा
 नावसं कल्यायाय ॥ नैकां
 ॐ स्वमये नैकां नैकां ४
 याव नैकां नैकां ४ गम
 लदीयद लयद सस्य

नय्ययामित ॥ ॥ अम
 ककायया ४ अमका (ग्र
 यधी कृदिकायि यवे ४
 ननायवी द्वादिगिरिकः
 ल्यसिद्धि वमु ४ ॥ ॥ ॥
 य ॥ नैकां याय ॥ ४ ॥ १०
 ॥ ॥ नैकां सिकल्या ॥ ॥

अथगिलादुमिकालय ॥
 थव २ मनुन गिलादुमिः
 विय ॥ ॥ नैकां ॥ गिला
 द्वादि वयायुनादुमिस
 विया कमन गिलादुमि
 विय ॥ ४ ॥ ३ ॥ वियावयु
 ननयु ॥ ॥ नैकां ॥ नैकां
 नैकां नैकां लायसार
 ॥ ॥ नैकां ॥ नैकां ॥
 समययादि ॥ ॥ ॥
 नैकां ॥ नैकां ॥ नैकां

युववदकनाथयस्वरा
॥ ३ ॥ ॥ घृण ॥ जे
नकाधवा लनूययादि
॥ आदुगि ॥ जे न मोगीगुः
मं ४ ॥ मोके लग ॥ ६ ॥ धनाय
स्वरा ॥ ३ ॥ घृण ॥ जे वि
धुधनाय विनाययादि
॥ ६ ॥ निविदवादि ॥ ॥

गतादहालाकयाल ॥ जे
लुं ६ ॥ डायस्वरा ॥ जे १०
घृणादुगि युधु ॥ जे १५
धने धननधर्मनाज न
जिब न धाम्ययमि धमीन
धनाधिययम्वक धन ३
मिनामद रुं ६ ॥ रुदा रुनुवे
स्वरा ॥ ॥ दहीदिग
कल ६ ॥ दनसा लाय मद
माममाल ॥ ॥ ॥
६ ॥ नि ६ ॥ डादिदहालाक

यानया आदुगि ॥ ॥

नगावप्राप्तादि ॥ ॥ जे
जवप्रायसीस्वरा ॥ ४ ॥
आदुगिविय ॥ ॥ घृण ॥
जे वप्रायसीस्वरा ॥
६ ॥ निजसमाकका ॥ ॥

अथजयादि ॥ ॥ जे
यायेस्वरा ॥ ४ ॥ ॥ आदु
गि ॥ ॥ घृण ॥ जे १५
जयाया विजयाजिस्वा
जयनाजि नाज मुनिका
न ॥ ॥ ॥ यास्वरा ॥ ४ ॥
दिनीकान्वनयाकवसी
नामन्दमायुवनुस्वरा ॥
॥ ॥ ॥ निजमादि ॥ ॥

गम ४ ॥ मिनामादि ॥ ॥ जे

ॐ अं अं अं गिगा न न व
य स्यादा ॥ ७ व न न न न व
युक्त ॥ आद ॥ ८ ॥
युक्त ॥ ॐ अं अं गिगा न न व
(मि न न व न न व न न व
॥ ३ ॥ अं अं गिगा न न व
मलि य ॥ ४ ॥ सादा न न व
धन मा मि गा न न व
रु ना द्या न स्यादा ॥ ५ ॥
ॐ गिगा न न व ॥ ६ ॥

अथ यथा गमादि ॥ ॥ ॐ
ॐ अं अं अं गिगा न न व
य अं अं अं गिगा न न व
रु ना द्या न स्यादा ॥ ७ ॥
युक्त ॥ ॐ अं अं गिगा न न व
मलि य ॥ ८ ॥ सादा न न व
धन मा मि गा न न व
रु ना द्या न स्यादा ॥ ९ ॥
ॐ गिगा न न व ॥ १० ॥

गी काला गिगा न न व
सं स अं अं गिगा न न व
युक्त ॥ ११ ॥ सादा न न व
धन मा मि गा न न व
रु ना द्या न स्यादा ॥ १२ ॥
ॐ गिगा न न व ॥ १३ ॥

मता रुकु कादि ॥ १४ ॥ अं अं
रुकु क म दा रु न वा य म रु
मि गा न न व
सहि गा य स्य य नि वा ना य
स्यादा ॥ १५ ॥ अं अं गिगा न न व
युक्त ॥ १६ ॥ सादा न न व
धन मा मि गा न न व
रु ना द्या न स्यादा ॥ १७ ॥
ॐ गिगा न न व ॥ १८ ॥

अथ नूड वलुदि ॥ उं नं जं जं
नूड वलु य स्वा हा ॥ ३ ॥ उं
य वलु यलु गी ॥ नि ला इति
॥ घृण ॥ उं नं वरु (ग) ना वः
ना रा अनू नं मि व नि रा रु
क नी ला हि मा रा कु मार
ह म वलु सु रि क क न नि
रा वा य य ग कि ना या ॥ य
वा शानू ड वलु मृ दु द क्ष म
कु जा ख ड मा ड्रा सु (ग) रा
दो दो यी भ रु ना र्च नि य
दन म थ नी या रु मा म रु
वलु ॥ स्वा हा ॥ ॥
ॐ नि नू ड वलु दि ॥ ॥

अथ वलु यली न ॥ उं डो
वलु (ग) स्वा हा ॥ ३ ॥ घृ
ण ॥ उं नं य य या नि व रु म
कि त्या दि ॥ ॥ य लि

ना ॥ उं डो यली ना य स्वा हा ॥
उं नं य य रु रु ग ज व क ति
॥ ॥ ॥ व रु व द
॥ उं मृ (य) दा य स्वा हा ॥ उं
उं नं य रु व दा य स्वा हा
॥ उं नं साम व दा य स्वा हा
॥ उं नं अ थ व व दा य स्वा
हा ॥ ॥ घृ ण ॥ उं नं मृ
दि य न ड ग रु य रु ग व ना
ह ना व ना रु व ना व दा य
यि य थ रु थ मृ गु य रु सा
म रु थ थ व (ग) व रु य रु
व य द या नि रु ग वा न व
म रु य रु व रु सा यं धी व
रु ना न ना दि व सि गा नि रु
व द या दि द ॥ ॥ ॐ नि ॥

न ना स्व स्व म रु ला रु या ल
क ल ग वि वे ग कि रु दि ल

नाम यत्तु यत्तु धी धीलम्भी
(ग) ग्राम गद्यमि क्रुप स
(ग) ल (ग) मय लिङ् अलि
शिवलि यश्च वलि कृति
काय र्ण गिला क्रुति विद्याः
वचाय ॥ ॥ अथ गिला
क्रुति यत्तु ॥ ॥ नै गी काया ला
कया लायि न वन सकि ना
माग ना रे न वा शे न क्रुति
४ यि ॥ ॥ ४ क क र्व गि नि
वना ४ य र्ण ना गी दिय का ४
ने ला के स्त ४ क क ४ ॥ ४ स ग
द्य निवृ गाम लुल स्त दि
ल वा स्त रु का ४ स लु निर्यं
मिल सकि गद्ग ना ना श्रय
४ क क र्ण न स्वा रु ४ ॥ ॥
४ क्रुति गिला क्रुति यत्तु ॥ ॥

तमायथा कर्मकानयथा

अथ दवयमिहाहसा ॥
दवस्नानयाचक ॥ ४ ॥
भानकानसरुदयिथः
सत्रोदिकत्रायावथय
दवनकावलार ॥ ४ ॥
वनादवननद्रसकं ॥
कलसवाय सनानव
वधीवाय ॥ ॥ कनस
युजा ॥ अद्यादि ॥ युष्य
राजनं ॥ गुननस्कन ॥
चासाद्ययागुयुजा ॥ ॥
ततयजनं ॥ युर्वस ॥ नै
५ काला ॥ वाययायु ५
॥ नै ५ जननययुर्ववकु
ययायु ५ ॥ ॥ दकि ॥
नै ५ कीनो ॥ वाययायु
५ ॥ नै ५ ट क काय दकि ५
वकुयाययायु ५ ॥ २ ॥

यधिम॥ने॥दध्वाधुवाः
ययायू॥ने॥ययनीय
हिमवकुययायू॥२
॥उरुन॥ने॥मध्वाधुवा
ययायू॥ने॥धंखयान
ययौउरुनवकुययायू
॥४॥जा॥ने॥सूना
धुवाययायू॥ने॥वा
सूकीनागनाजाययू
ययायू॥५॥ने॥मृष्य॥
ने॥दध्वाधुयाययायू॥
ने॥ककुटकनागनाजा
ययौयू॥६॥वाययू॥
ने॥लीरुधुवाययायू॥
ने॥महाययनागनाजा
ययूययायू॥७॥
लीमान॥ने॥सिध्वाधुवा
ययायू॥ने॥कलिकन

गनाजाययूययायू॥
८॥ॐगिजूरकनसयूज॥

अथअयध्रीयूजा॥यूव॥
मृरुिकायूजा॥ने॥नमा
रुवरीरुदकमलायेजा
रुदयाययायू॥१॥
दकि॥इविनिमिजादि
नययूरकयाययूजन॥ने॥
॥यूककुिकायेकलदीः
यायेकीनिनसखाहा॥
॥२॥यधिम॥वउमि
जादिनयल्लवयूजा॥ने॥
॥जाकीरुवव्वनमिश्रः
मिश्रायेवीमट॥३॥
उरुन॥ययूरमेगयूजा
॥ने॥ककुिकायविमरु
कलदीयायेधीमरुगः
नाककुिययादया॥

॥४॥ आ॥ घनकमन
यमादमयूजा॥ १॥ धा
नजधानजधानामरवी
वदन्नुयायेदंकवयाय
दू॥ १॥ नेमृत्वा॥ यशुग
ययूजा॥ १॥ कृत्तिकाय
विमरुत्यादि॥ ५॥ वायु
वा॥ १॥ गङ्गाजानय
जा॥ १॥ द्वाद्वाद्मरुत्यानि
कायैकाननुययाययाय
१॥ १॥ ध्वनीमन॥ शिव
दुयूजा॥ १॥ किमिशवि
त्रिकाकनायकजमुय
दुद॥ ६॥ रुसयूजा॥
१॥ कृत्तिकायविमरुत्या
दि॥ ॥ नदीसंगमाद
कयूजा॥ १॥ द्वाद्वाद्मरुत्या
यू॥ १॥ गङ्गाद
शु॥ शु॥

लख ॥ नै ॥ मूं मूं वायु
॥ ॥ ॥ ॥ गंधी
दक लख ॥ ॥ ॥ ॥ नै ॥
मूं मूं वायु ॥ ॥ नत्ताद
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

तमानिर्मद्वन ॥ नैऋतिलि
रविर्चक्राकनायक ॥ जम्भ
यरुह ॥ चनयति ॥ नैऋत
नायविष्णुकाना ॥ जग्निना
रुनकाः यूनादिमलिमि
नत्वाय ॥ साङ्ख्य ॥ ॥
ॐ नि साङ्ख्यया विद्धि ॥ ॥

अथदवस्मानयात्रक॥यु
व्वकलसंनिर्गम॥अ॥यद

महादृष्टिस्तथा ॥ वैष्ण
कालयुजा ॥ वन्दनस्वस्ति

अथ यजमान न दत्तः
 न कावः ॥ लख धान थया
 वयः कर्म मयः दायकाव
 ने मृत्वा दान स लंसा यज
 गिला रुन का य न न सिंद
 व सगुदा गीर्वा दय मिष्ट
 ॥ यजः कर्म मयः वयः रुड
 यी थ स द व न ॥ ॥ ग

१४ नासिध ॥ गुननसुकाव
 ॥ न्यासादि अर्घ्यानुयुजा
 ॥ गुनलुद्धि जालयुजा ॥ मू
 लमकुटी मीश्याकलमयुः
 जा ॥ ॥ मूलमकुटीयउ
 याव ॥ खागास लव्वरुः
 गदलासा नायावः दव
 (धन रागभनरायक ॥ ॥
 दूदवर्नमायावजक्रम
 दयमेकयविधि ॥ ॥

मकादवकलससुलिलय
 वसुवनयिन ॥ आवायन
 ॥ नैयानप्रधानप्रधाना
 मूखीवदून्यायककव
 वायदू ॥ मकादव यजमा
 न ॥ यजमानी ॥ डिगलन
 साधन ॥ लाय ॥
 यजमान यजमानी ॥ ॥

अथदवदक्षिआय ॥ दव
 लाय ॥ यजमानन ॥ नैयान
 मारुगवगिददकमलाः
 येकाददयाययानिकल्य
 नायसाकाशाउं ॥ मीयसा
 दूर्तिमरु कल्यनायसाका
 शाउं ॥ मीयसा विरुयदाः
 नाय मीयसा साकाशाउं
 ॥ यान मीयसा जयानम
 यानामस्वीवदून्याकव
 वायसाकाशा ॥ नका ॥ नैयान
 मारुगवगिददकमला
 यकाददयायगकाधाने
 यसाकाशाउं ॥ मीयसा
 येकलदीयाय ॥ कोयम
 वनायसाकाशाउं ॥ कोको
 दूववर्नमिखदू मीखाः
 मीमकानयनायसाका
 ॥ नैयानप्रधानप्रधाना
 नामस्वीवदून्यायकक

वचयेजातकर्मयस्वाह
॥ कायललास ॥ उं नभा
रुगनमिह दकमलायेः
जाह दयायस्वाहा ॥ ना
सिचक ॥ दव ॥ उं नृं नृं
मरुना निकाये नृं नृं या
यवोवटस्वाहा ॥ दवमि
स्वाहनके ॥ मूलमनुषा ॥
धन कसि दवेसूयक ॥ रु
याल ॥ मूलमनुषा नासिच
क ॥ मूलमनुषा नादिहृद
न ॥ उं नृं नृं कायविद्यमि
॥ गाय गान नवद सुवि
वययाय ॥ हाहा कलस
यवा दलखनकाय गाय
जिन ॥ मूलमनुषा यष्टिज
ग ॥ मरु नृं यक ॥ अं नृं
सानास जलरुय ॥ उं नृं
कृत्ति कायविद्यरुति ॥ उं
नृं सयसू यक नामायस्वा

हाहा उं नृं नृं याय जस्वाः
यविकमनायस्वाहा ॥ उं नृं
कि लिशविचका कनायक
॥ मूलाय रुट नामक नृं
यस्वाहा ॥ यथा दवयना
मलिखे ॥ उं नृं नृं नृं
हाहा दनसूयक ॥ नृं
उं नृं नृं नृं नृं नृं
॥ ना नृं नृं नृं नृं
कि नृं नृं नृं नृं नृं
नायक ॥ मूलाय रुट रुलः
याहा नायस्वाहा ॥ मयमि
नलाय ॥ दवयाह वनन ॥
उं नृं नृं नृं मरुहालिकायेन
नृं याय वयट जवयाहा न
यस्वाहा ॥ वनेयाहा न ॥ ना
सिचक ॥ वनसावा ॥ नृं
वा दवयाग ॥ नृं नृं गाम
यलिह ॥ नृं नृं नृं नृं
॥ उं नृं नृं नृं नृं नृं
स्वीवृद नृं यायक ॥ क नृं

यद्दुःखं जकलुयसाहाशा
 लुखा न नमसायशा नैऋतं
 जादु वचनमिश्रदुःखिखा
 ये कनकयसाहाशा लम्
 नृक्षदुःखमखन ॥ वाकरु नि
 निर ॥ नैऋतं जादु वचनः
 मिरे नैऋतं मिखाय वरवध
 नायसाहाशा वमुत ॥ नैऋतं
 नजधानजधानामखीवः
 द्रनूयायेक कवसायदुः
 साहाशा नैऋतं मखनावधना
 यसाहाशामरु ॥ धवतिजु
 गुह्यत ॥ नैऋतं मारुगवति
 ददकमलायेकाह दयाय
 रुक्मिणि दानायसाहाशा ॥
 कालः ॥ गुह्यत ॥ नैऋतं
 मूगूगू दलुयदानायसा
 मूगूगू साहादलुकथितं
 मूगूगू ॥ नैऋतं रुद्रिकायैः
 वि प्रदुति ॥ नैऋतं यहा

यविनयदानायसाहाशा जा
 नाविय ॥ नैऋतं जीधीकुक्षीमू
 मूगूगू दीकायदानाय
 मूगूगू साहाशा दवयाम
 मूगूगू रुकनदव ॥ नैऋतं
 मूगूगू वरमानसाहाशा
 मूगूगू जमिनारुनकाम
 मूगूगू गरुताउवानसाया ॥
 नैऋतं धानजधानुजधानाः
 मखीवदुःखनूयायेक कवः
 वायदुःखविवासायसाहा
 शा मधुयर्क वमुविय ॥ नैऋतं
 नधानजधानजधानामखी
 वदुःखनूयायसाहाशा मना
 वस नैऋतं दकानयावः
 लायदुगिसरु ॥ ॥ नैऋतं
 रुद्रकानदवकासायक
 ॥ नैऋतं रुद्रिकायैः कलदी
 याये ॥ नैऋतं मिनससाहाशा
 ॥ रुद्रिनिनैऋतं ॥ नैऋतं जादु

वचनमिश्रकृमिश्रायवम
 हस्वादा॥ अमिनि लाया॥
 नै० नमो रुगवमिहदक
 मलायेकाहदयायथायु
 हस्वादा॥ अहमासनम
 व॥ लु० नमनमिचक॥ व
 आदि वंदावनचुवकमा
 ॥ कथरुलुकादं न॥ ॥
 नै० नमो रुगवमिहदक
 मलायेकाहदयायस्वा
 दा॥ चतुर्थी॥ ॥ नै०
 श्री॥ श्री॥ वमिहोयस्वादा॥
 श्री॥ श्री॥ मरुजावमिचमि
 श्री॥ श्री॥ शागायदान॥ ॥
 नै० नमो रुगदिमार्ग्यरुः
 निरुगवमिवागिपीछी
 कुम० ग० गीरुधुमूलधनना
 सकलसगनै० भक्ति युका
 दिसर्वयुक्तुसमं र्वा
 रुगदमविधिनासुयमि

हामदातु॥ ॥ इति द
 वदमक्रियाविधि॥ ॥

अथदवयादुवनवदावः
 दवसाधनयाम॥ नै० काः
 आसनलायस्वादा॥ नै० काः
 विद्यानलायस्वादा॥ नै० काः
 निवतलायस्वादा॥ या०
 गुणकंविन्यय॥ ॥
 इति श्रीगलंसाधन॥ ॥

तम० यश्रुगलंसाधन॥ नै०
 का० नै० इथीकलायायु॥ नै०
 नै० का० जायनलाययायु
 ॥ नै० का० इथीगजगलाय
 यायु॥ नै० का० इथीजाका
 हागलाययायु॥ ॥
 इति यश्रुगलंसाधन॥ ॥

तमायश्रुगलंसाधन॥ नै०

जूथवकु न्यासवमिसिमा॥
 नै० नमो रुमवमिधीउद्ध
 वजाययायू॥ नै० सुक
 डि कायेधीयुववका
 ययायू॥ नै० जो जी दुधी
 दक्षिणवकाययायू॥
 नै० धानजधानजधाना
 मस्वीधीउरुनवकायय
 यू॥ नै० द्वां द्वां मरुसावि
 कायेधीयमिमवकायय
 यू॥ नै० कि लि २ विज्जका
 कनायेकधीयनायनव
 काययायू॥ ॥ ॐ नि
 वकु न्यासमूनवमीसिमा॥

ममारुनवायु न्याससाध॥
 नै० ममिगाइरुनवायय
 यू॥ नै० ननरुनवायया
 यू॥ ॥ हृदय ॥ नै० वलु

नवाययायू॥ मृद्धिमा॥ नै०
 काधरुनवाययायू॥
 गिवासा॥ नै० उन्नरुन
 वाययायू॥ डाहसा॥ नै०
 कयालरुनवाययायू॥
 ननुस॥ नै० हिलीमदीरुः
 नवाययायू॥ ललाट॥
 नै० संदानरुनवाययायू
 ॥ गिरवा ॥ ॥ निरुनवाः
 हकसाधनविधि ॥ ॥

जूथनवात्मान्याससाध॥
 नै० द्वां जगुहास्थानमया॥
 नै० मृं गहुनीस्थास्वादाया॥
 नै० लमध्वमास्थिवयटया॥
 नै० नैजनामिकास्थाद्रुया॥
 नै० यंकनिहास्थिवीयटया॥
 नै० द्वां हृदयायनमःयोयू॥
 नै० मृं मिनसस्वादायायू॥
 नै० लमिखायिवयटयायू॥

उँ नं क व यो य दू या य ॥
 उँ न य न न य य य यो य ॥
 उँ न ड ज य य दू या य ॥
 उँ न ह नि खो रु न यो इ को ॥
 उँ न क ल ला य य को इ ॥
 उँ न म व क म ल य य इ को ॥
 उँ न ल द द य य य य इ को ॥
 उँ न व न री य य इ को य ॥
 उँ न न गु म य य इ को य ॥
 उँ न य ज नो य य इ को य ॥
 उँ न ड य द द य य य इ को ॥
 उँ न म य य य य य ॥
 ॐ नु नु नि धी न वा ॥
 न्मा नु नु न्या स सा ध न ॥

न ॥ अ रु नि हा ल ला न्या स ॥
 उँ न म नि नो य य इ को य ॥
 म द्वि य व ॥ उँ न ज न द यो
 य य ॥ म द्वि द र्श ॥ उँ न ॐ
 क यो य य ॥ म द्वि य म्बि ॥
 उँ न मा नि नो य य ॥ म द्वि उ र्द न ॥

उँ न क नि नो य य ॥ म द्वि म
 ल ॥ ॥ ॐ नि नो म न क ला ॥

उँ न नृ त्या यो य य ॥ य व व क ॥
 उँ न य नि द यो य य ॥ द कि ॥
 उँ न वि यो य य य ॥ य च्छि ॥
 उँ न सा न्या यो य य ॥ उ र्द न ॥
 ॐ नि न ल नृ य क ला ॥ ॥

उँ न म न से यो य य ॥ म द्वि ॥
 उँ न मा रु यो य य ॥ द द य ॥
 उँ न क मा यो य य ॥ यी वा ॥
 उँ न नि द यो य य ॥ वि य ॥
 उँ न वा ध यो य य ॥ ना रि ॥
 उँ न मृ त्यो वे यो य य ॥ ज थ ल ॥
 उँ न क ध यो य य ॥ य ॥
 उँ न क यो य य ॥ उ न ॥
 ॐ नि न र्द न क ला न्या स ॥

उँ न न ज यो य य ॥ य ॥